स्थापित 1935

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मई २०२४ • वर्ष ७५ • अंक ०५
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

राजस्थान के मुख्यमंत्री का स्वागत

१५ मई २०२४: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कोलकाता आगमन के अवसर पर सम्मेलन की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने उनका स्वागत किया। चित्र में परिलक्षित हैं-राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता।

केंद्रीय राज्यमंत्री के साथ शिष्टमंडल की भेंट

केंद्रीय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल के कोलकाता आगमन पर सम्मेलन के शिष्टमंडल ने भेंट की। चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता।

'वोट का अधिकार, लोकतंत्र का आधार' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

४ मई २०२४: सम्मेलन कार्यालय के केंद्रीय सभागार में संगोष्ठी का आयोजन हुआ चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, उपाध्यक्ष दिनेश जैन, महामंत्री कैलाशपति तोदी, संयुक्त महामंत्री पवन जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता, राजनीतिक उपसमिति चेयरमैन नंदलाल सिंघानिया, सुप्रसिद्ध शिक्षाविद एवं बाबा साहब अम्बेडर एजुकेशन युनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. सोमा बंद्योपाध्याय, सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता सीए विनोद अग्रवाल, प्रभात खबर के संपादक कौशल किशोर त्रिवेदी, पश्चिम बंग प्रांतीय अध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल, जुगल किशोर जाजोदिया, शंकरलाल कारीवाल, अनिल कुमार मल्लावत, शिव कुमार फोगला एवं अन्य।

इस अंक में

संपादकीय
- विवाह समारोह या तमाशा

आपणी बात
- मेहनत इतनी खामोशी से करें, सफलता शोर मचा दे

विशेष पेज-१७

संस्कार-संस्कृति चेतना
- अक्षय तृतीया पर्व का महत्व, सोलह शृंगार
- ज्ञान गंगा, बूझो तो जाने, प्रेरक प्रसंग
- गर्मी की छुट्टियों में बच्चों से करवाएँ

रपट
- सोच-विचार कर किया गया वोट ही मतदानः श्री लोहिया

प्रादेशिक समाचार
- दिल्ली, पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग
- उत्कल, छत्तीसगढ़, झारखंड
- गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड

आलेख
- हमारे संस्कार समाज के आधार

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYDOORS®

CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates

CENTURYPVC®

CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board

CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

SAINIK 710
WATERPROOF PLY

SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

समाज विकास

◆ मई २०२४ ◆ वर्ष ७५ ◆ अंक ५
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** ६
  विवाह समारोह या तमाशा
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ७
  मेहनत इतनी खामोशी से करें, सफलता शोर मचा दे
- **रपट**
  साच-विचार कर किया गया वोट ही मतदान ८,११
  सुप्रसिद्ध लेखक डॉ. चेतन स्वामी का सम्मान ११
  सम्मेलन के २०२३-२५ सत्र की गतिविधियाँ १३-१४

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

अक्षय तृतीया पर्व का महत्व १७
गर्मीयों की छुट्टियों, प्रेरक प्रसंग १९
ज्ञान गंगा, बूझो तो जानें २०

- **प्रादेशिक समाचार**
  पूर्वोत्तर, प. बंग, झारखंड, छत्तीसगढ़ १५,१६,२१-२९
  गुजरात, उत्कल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड
- **आलेख**
  हमारे संस्कार समाज के आधार ३१
  हास्य ३१

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

समाज विकास का अप्रैल, २०२४ अंक मिला। महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को संपादक की कलम ने खूब अच्छे से व्यक्त किया है। निश्चित रूप से महिला और पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं। डॉक्टर गुलाब कोठारी जी ने बिलकुल सही कहा है कि अपनी पहचान बनाने के लिए हमें अपने अंदर के बिखराव को दूर करना होगा। लोहिया जी ने भवन निर्माण की जो सूचना दी है, इससे समाज और अधिक मजबूत और दीर्घायु होगा। समाज मतदान अभियान के लिए पूरा जोर लगा रहा है, यह नए भारत के निर्माण में सार्थक कदम है। संस्कार-संस्कृति चेतना के चार पन्नों ने दिल को छू लिया। डॉ. दिनेश कुमार जैन का लेख नई जानकरी प्रदान करता है। कुल मिलाकर समाज विकास पत्रिका पहले से ज्यादा पठनीय और संयोजन लायक बनती जा रही है। संपादक और अध्यक्ष महोदय को साधुवाद।

– **राजीव कुमार अग्रवाल (बिलोटिया)**, कोलकाता

मारवाड़ी समाज त्याग एवं बलिदान की भावना से एवं जनहित में अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले वीर पुरुषों की अमर गाथाओं से आच्छादित है। राजस्थान एवं हरियाणा के वीर सपूतों ने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। देश के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने भी कहा है कि देश एवं समाज की एकता एवं अखंडता के लिए जितना काम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने किया वह प्रसंशनीय है, जिसके प्रथम सभापति १९३५ में राय बहादुर रामदेव चोखानी थे। श्री जुगल किशोर जी बिरला ने कहा कि समाज स्वार्थ भावना से ऊपर उठकर सभी क्षेत्रों में - घूँघट-प्रथा, दहेज-प्रथा जैसी कुरीतियों को खत्म करके, देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अब समय आ गया है कि अपने समाज के इतिहास को सत्यता पर आधारित राजस्थान और हरियाणा के लोगों का समाज जो बँटता जा रहा है, अपनी-अपनी टोली बना रहा है, टुकड़े-टुकड़े की राजनीति अपना रहा है, भेदभाव की राजनीति खेल रहा है, एकता को अपना ले। 'वसुधैव कुटुंबकम्' जो भगवान श्री कृष्ण की वाणी है, जो सत्य है उसे अपना कर एकजुटता का परिचय दे तो राजनीति में मारवाड़ी समाज को कोई नहीं हटा सकता।

– अरुण कुमार चोखानी
पौत्र स्व. राय बहादुर रामदेव चोखानी
(संस्थापक अध्यक्ष)

सम्मेलन मंच

आजकल समाज में वैवाहिक जीवन में क्लेश फैला हुआ है। तलाक की संख्या बढ़ रही है। आपके हिसाब से इसका कारण एवं समाधान क्या है? ५०० शब्दों में १५ जून २०२४ तक कृपया अपने विचार हमें aimf1935@gmail.com या व्हाट्सएप्प ८६९७३१७५५७ पर भेजें। सर्वोत्तम तीन विचार को पुरस्कृत किया जाएगा।

विवाह समारोह या तमाशा

परिवर्तन जीवन का अकाट्य नियम है। समय के साथ-साथ परिवर्तन अवश्यंभावी है। साथ ही साथ हमें इस बात के प्रति सजग रहना चाहिए कि जो परिवर्तन हम ला रहे हैं वह हमारे लाभ के लिए है। उसमें हमारी हानि तो नहीं हो रही। समाज में आज हमारे संस्कार-संस्कृति पर अत्यधिक कुठाराघात हो रहा है। बिना सोचे समझे एक के बाद एक हम उनका उल्लंघन कर रहे हैं। किंतु हमें यह याद रखना होगा कि वेद पुराणों में उल्लेखित संस्कृति के आधार पर ही भारतीय समाज में विविध तरह के कार्यक्रम संपन्न होने चाहिए। संस्कारों पर ही हमारी भारतीय संस्कृति टिकी हुई है। बिना संस्कारों के समाज का कोई महत्व नहीं है। वह समाज दिशाहीन है जिसकी अपनी कोई संस्कृति नहीं है। संपूर्ण विश्व में भारतीय संस्कृति और संस्कार सर्वश्रेष्ठ है।

हिंदू संस्कारों में विवाह संस्कार बेहद अहम होता है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में वैवाहिक विधि-विधानों की काव्यात्मक अभिव्यक्ति का वर्णन किया गया है। गृहस्थाश्रम का आधार ही विवाह संस्कार है। इस संस्कार के बाद वर-वधू अपने नए जीवन में प्रवेश करते हैं। यह केवल एक संस्कार नहीं है, बल्कि यह एक पूरी व्यवस्था है। इसी संस्कार के बाद से मनुष्य के चार आश्रमों में से सबसे अहम आश्रम यानी गृहस्थ आश्रम का आरंभ होता है। विवाह बेहद अहम होता है और वर-वधू समेत पूरे परिवार के लिए यह बहुत मायने रखता है। हिंदू धर्म में विवाह का बंधन जन्म जन्मांतर का माना जाता है। श्रुति ग्रंथों में विवाह के स्वरूप को व्याख्यायित किया गया है। इसमें कहा गया है कि दो शरीर, दो मन, दो बुद्धि, दो हृदय, दो प्राण एवं दो आत्माओं का मेल ही विवाह है। ऐसा कहा जाता है कि जब जातक का जन्म होता है तब वो देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण का ऋणी होता है। ऐसे में देव ऋण चुकाने के लिए पूजा-पाठ, यज्ञ-हवन आदि किए जाते हैं। फिर ऋषि ऋण से मुक्त होने के लिए वेदाध्यन-संस्कार यानी गुरु से ज्ञान प्राप्त किया जाता है। वहीं, पितृ ऋण से मुक्त होने के लिए विवाह संस्कार का होना बेहद आवश्यक हो जाता है। यह ऋण तब तक नहीं उतरता जब तक जातक स्वयं पिता नहीं बन जाता। अतः शास्त्रानुसार पितृ ऋण से मुक्त होने के लिए विवाह संस्कार बेहद अहम है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि हिंदू विवाह एक संस्कार एवं पवित्र बंधन है, जिसे भारतीय समाज में काफी महत्व दिया जाता है। पीठ ने कहा कि हिंदू विवाह परिवार की इकाई को मजबूत करता है और विभिन्न समुदायों के भीतर भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने यह भी कहा कि हम उन युवा पुरुषों और महिलाओं के चलन की निंदा करते हैं जो अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैध विवाह समारोह के अभाव में एक-दूसरे के लिए पति और पत्नी होने का दर्जा हासिल करना चाहते हैं और इसलिए कथित तौर पर शादी कर रहे हैं। पीठ ने युवक युवतियों से आग्रह किया कि वह विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से विचार करें, क्योंकि भारतीय समाज में विवाह एक पवित्र बंधन है। **विवाह गीत, नृत्य या शराब पीने खाने का आयोजन नहीं है।** उन्होंने स्पष्ट कहा कि हिंदू विवाह को वैध बनवाने के लिए इसे उचित संस्कारों एवं कृत्यों के साथ किया जाना चाहिए।

एक मित्र मुझसे कह रहे थे की बात जब चलती है तो दूर तलक जाती है। समाज में आज जो कुछ हो रहा है उसकी दस्तक सर्वोच्च न्यायालय में भी हो रही है। आज विवाह समारोह में विवाह के अलावा सब कुछ होता है। क्या-क्या होता है इसकी छानबीन करें तो सामने आएगा कि :-

- दूल्हा अधिकतर विवाह संस्कारों में दाढ़ी रखकर आते हैं।
- संगीत संध्या के नाम पर फूहड़, अश्लील गीत-संगीत बजते हैं, जिस पर नाच-नाच कर घर वाले अपने दिमागी दिवालियापन का सबूत पेश करते हैं।
- पिट्ठा, उबटन, सांझी, गायन के परंपरा की जगह टीवी सीरियल के रस्म निभाए जाते हैं।
- तोरण द्वार पर युवक-युवतियाँ हल्ला करते रहते हैं। वरमाला में नए-नए प्रकार के फिल्मी अंदाज के वारदात संपन्न होते हैं।
- आशीर्वाद समारोह में बड़े-बड़े स्क्रीन पर वर-वधू के अश्लील प्री-वेडिंग शूट सभी को परोसे जाते हैं।
- वीडियो फोटोग्राफर सभी लोगों को तरह-तरह की गतिविधियाँ करवा कर उसे कैमरे में कैद करते हैं।
- १०० तरह के खाद्य पदार्थ की व्यवस्था रहती है, जिसके कारण अनाप-शनाप भोजन बर्बाद होता है।
- जोर-शोर से मद्यपान के काउंटर लगाए जाते हैं, इसमें सभी शरीक होते हैं।
- सभी प्रकार के आयोजनों के लिए अलग-अलग थीम पर अलग-अलग रंगों के कपड़े पहनना आवश्यक हो गया है।

इस तरह हम समझ सकते हैं कि शादी-विवाह के समय में पहले महिलाएँ स्वयं आनंद का रसास्वादन करते हुए अपने कंठों से गीत के स्वर मुखर करती थीं। अब तो महिलाएँ शान से कहती हुई सुनी जाती हैं कि पुराने गीतों का कोई मतलब नहीं है। प्रश्न यह उठता है कि क्या नाचने-गाने को विवाह कहते हैं? क्या मद्यपान करके हुल्लड़ मचाने को विवाह कहते हैं? रिश्तेदारों एवं तथाकथित दोस्तों को इकट्ठा करके मद्यपान की पार्टी आयोजन को विवाह कहते हैं? जहाँ पर मद्यपान हो रहा है क्या वहाँ हमारे आवाहन पर देवी-देवता या पितृ देव आएँगे, हमें आशीर्वाद देंगे? विडंबना है कि कर्ज लेकर भी लोग दिखावा का आयोजन करते हैं। महीनों से विवाह की तैयारी होती है। विवाह पर फेरे के समय जनेऊ माँगते हैं तो ढूँढने पर नहीं मिलता। विवाह की जो असली तैयारी थी उसी को हम भूल गए। फेरे में बैठने के पहले पंडित जी को कह दिया जाता है कि कितनी देर में कार्यक्रम संपन्न करना है।

समझ सकते हैं कि विवाह में हमारे संस्कारों को, हमारे संस्कृति को इस तरह से महत्वहीन बनाना अत्यंत ही दुखद है। इसका खामियाजा समाज भुगत रहा है, इसके परिणाम भी हम देख रहे हैं। समय की माँग है कि समाज इसके प्रति सजग हो और गरिमा को बनाए रखने के लिए –

- प्री-वेडिंग का प्रदर्शन बंद हो।
- विवाह समारोह में अश्लील संगीत की जगह या तो हल्का वाद्य संगीत हो या भजन संगीत हो।
- वरमाला के समय केवल दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर हो।
- विवाह प्रक्रिया प्रारंभ होने पर पंडित जी पर कोई रोक-टोक ना हो।
- नव-विवाहित को आलिंगन या चुंबन की स्वतंत्रता ना हो।
- अलग-अलग समय में अलग-अलग ड्रेस कोड न बनाकर कमजोर रिश्तेदारों का ध्यान रखा जाए।

विवाह एक सामाजिक एवं आध्यात्मिक समारोह है। इस समारोह में परिवार, नाते-रिश्तेदार सभी अंग शामिल हो सकें इस ओर हमें ध्यान देकर अपने कार्यक्रमों को निर्धारित करना चाहिए।

मेहनत इतनी खामोशी से करें, सफलता शोर मचा दे

टीमवर्क के माध्यम से सभी प्रकार के कार्य सहज एवं गतिशील हो जाते हैं। जब एक समान लक्ष्य के लिए हम मिलकर कार्य करते हैं तो सफलता सहज हो जाती है। टीम के प्रत्येक व्यक्ति उस टीम को ताकत प्रदान करते हैं। वह टीम प्रत्येक व्यक्ति को ताकत प्रदान करती है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन जैसी बृहद गरिमामई संस्था में, जो कि देश के कोने-कोने में फैली है, टीम का महत्व एवं आवश्यकता और भी अधिक हो जाती है। इस सत्र की अब तक की यात्रा में हमने पूरा प्रयास किया है कि बदलते परिवेश एवं परिस्थितियों के मध्य गतिविधियों को समय के साथ तालमेल बिठाते हुए, सदस्यों एवं समाज के बृहद हित में कार्यक्रमों को गतिशील रखा जाए। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विभिन्न माध्यमों से निरंतर संवाद का सिलसिला जारी रखने की पुरजोर कोशिश चल रही है। यह एक अत्यंत ही संतोष का विषय है कि प्राय सभी उप-समितियों ने अपनी अपनी बैठक संपन्न की है। समाज-सुधार के मुद्दों पर सदैव जागरूकता रखने के प्रयास हो रहे हैं, हालांकि इन प्रयासों की सफलता पर प्रश्न चिह्न लग सकता है। इस विषय में सभी के सुझावों का स्वागत है। इस दिशा में प्रांतों का सहयोग अत्यावश्यक है? इस सत्र का नारा है– आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज है। इस नारे में निहित भावनाओं का सभी क्षेत्रों में स्वागत किया गया है। प्रबुद्ध चिंतक एवं राजस्थान पत्रिका समूह के प्रधान संपादक डॉ. गुलाब कोठारी ने सम्मेलन में दिए गए अपने वक्तव्य में इस बात की पुष्टि की कि जब उन्होंने कहा कि समाज के अंदर का बिखराव ही हमारी कमजोरी का कारण है। इस क्षेत्र में हम सबको मिलकर कार्य करने का प्रयास करना चाहिए। खुशी की बात है कि यह संदेश समाज में फैल रहा है। पूर्वोत्तर के दौरे के समय मैं सभी जगह इस पर जोर दिया गया एवं इस विषय को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ रही है। इसी प्रकार सभी क्षेत्रों में जागरूकता की आवश्यकता है। साथ ही साथ राजस्थानी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए मेरा सभी समाज-बंधुओं से नम्र निवेदन है कि कम से कम घर में एवं आपस के लोगों के बीच में मायड़ भाषा में ही वार्तालाप करें। इस विषय पर डॉक्टर कोठारी एवं राजस्थान से पधारे मूर्धन्य राजस्थानी भाषा के साहित्यकार श्री चेतन स्वामी एवं श्री राजेंद्र जोशी से भी विस्तृत चर्चा करने का अवसर मिला। राजस्थानी भाषा की मान्यता से विलग राजस्थानी भाषा का प्रचार-प्रसार एक अति संवेदनशील विषय है, जिसकी जिम्मेदारी समाज के सभी अंगों पर है। सम्मेलन की ओर से मैं जहाँ भी वक्तव्य देता हूँ मायड़ भाषा में ही देता हूँ। साथ ही सम्मेलन की बैठकों में भी मायड़ भाषा का ही प्रयोग करता हूँ।

केंद्रीय कार्यालय द्वारा संचालित गतिविधियों को यथासाध्य सुचारू रूप से गतिशील रखने में सभी पदाधिकारियों, उपसमिति के सदस्यों की भूमिका प्रशंसनीय है। रोजगार सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत इस सत्र में अभी तक ७१ समाज-बंधुओं की नियुक्ति करवाने में सफलता हासिल हुई है। इसके लिए उपसमिति के चेयरमैन श्री दिनेश जैन बधाई के पात्र हैं। इस सत्र में मारवाड़ी व्यापार सहयोग कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया है। इसके तहत समाज-बंधु व्यवसाय संबंधी जानकारी का आपस में आदान-प्रदान कर रहे हैं। संगठन विस्तार के तहत इस सत्र में शाखाएँ खुल चुकी हैं। इनमें से कुछ शाखाएँ उन प्रांतों में खुली हैं जहाँ पर कम से कम पाँच शाखाओं की आवश्यकता है। इस सत्र में अभी तक २२०० आजीवन सदस्य एवं ३१ विशिष्ट संरक्षक सदस्य भी बने हैं। संगोष्ठियाँ विभिन्न विषयों जैसे कि राजस्थानी भाषा-संस्कृति, संस्कार-संस्कृति, सामाजिक विसंगतियाँ, व्यापार सहयोग, राजनीतिक चेतना, नैतिक शिक्षा आदि विषयों पर आयोजित हुए हैं, जिसमें देश के लब्ध-प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों ने भाग लिया है। मैं समाचार पत्रों का भी आभारी हूँ, जो सम्मेलन के संदेश को व्यापकता देने में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय पदाधिकारीगण विभिन्न प्रांतों में समय-समय पर दौरा करके अपनी सशक्त भूमिका निभाई है। पूर्वोत्तर जैसे सक्रीय प्रांत प्रगति के पथ पर अग्रगति कर रहे हैं। हमारे सामने अवसर अनेक हैं। हमारे पास साधनों की कमी नहीं है। साथ ही साथ प्रयास करने वालों के लिए सहयोगियों की भी कमी नहीं है। बस, आवश्यकता है संकल्प के साथ आगे बढ़ने की। कुछ प्रांतों में संकल्प शक्ति का अभाव दिख रहा है। यही उनके पिछड़े रहने का कारण है। मैं सभी प्रांतों से बहुत ही विनम्र शब्दों में अनुरोध करूँगा कि सम्मेलन एवं समाज की सेवा करना हमारे लिए गर्व की बात है। साथ ही साथ इसमें हमारा फायदा ही फायदा है। जो दूसरों की सोचते हैं एवं करते हैं, उनका अपने आप भला होता है। एक बात मैं कहना चाहूँगा कि श्रेय मिले या ना मिले समाज के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देते रहना है। अपने आप सफलता मिलेगी। सत्र २३-२५ की टीम को आग्रह करूँगा कि हमारा आधा समय बीत चुका है। जो कुछ हम कर पाए हैं उसका विवरण 'समाज विकास' के इस अंक में पाठकों की जानकारी के लिए दिया गया है। अब, जबकि हमारा प्रयास कुछ गति पाने जैसा लग रहा है मैं टीम के सभी सदस्यों से आग्रह करूँगा कि हमारे सामने के अवसरों का लाभ उठाएँ। आने वाले एक वर्ष को सार्थक बनाएँ। सफलता हमारा चरण चूमेगी। हमें यह याद रखना होगा कि सूरज आने से सवेरा तो हो जाता है पर इसका लाभ लेने के लिए हमें आँखें भी खोलनी पड़ेगी। आइए, आने वाले वर्ष में हम मेहनत खामोशी से करें, सफलता शोर मचाएगी।

अक्षय तृतीया की अनेक-अनेक शुभकामनाएँ!

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

शिव कुमार लोहिया

सोच-विचार कर किया गया वोट ही मतदान : श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं प्रभात खबर के संयुक्त तत्वावधान में सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में 'वोट का अधिकार, लोकतंत्र का आधार' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि सम्मेलन की स्थापना १९३५ में हुई थी, तब से हम लोगों में वोट के प्रति जागरूकता को लेकर कार्यक्रम करते आ रहे हैं। आज राजनीति के नाम पर देश में कुनीति हो रही है। हमें देश के कल्याण के लिए बिना किसी डर व लालच के अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, इस दिशा में लोगों को जागरूक करने के लिए बड़े पैमाने पर हम प्रयास कर रहे हैं। चुनाव की आड़ में हो रहे भ्रष्टाचार पर हमें नजर रखनी चाहिए। आज ऐसी स्थिति पैदा कर दी गई है कि जिनके पास पैसा नहीं है, वे लोग चुनाव लड़ ही नहीं सकते, यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। सोच-विचार कर किया गया वोट ही मतदान है। मतदान के प्रति नए युवकों में उदासीनता है, उसके कारणों को हमें समझकर आवश्यक कार्य करने की जरूरत है। अंत में उन्होंने कहा कि मतदान के प्रति हम खुद सजग हों और साथ में अपने आस-पास के लोगों को भी प्रोत्साहित करें। कोई समस्या हो या शिकायत हो तो चुनाव आयोग के CVIGIL एप का व्यवहार कर शिकायत दर्ज करवाएँ। चुनाव आयोग आपके शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करती है।

संगोष्ठी को संबोधित करती हुई सुप्रसिद्ध शिक्षाविद एवं बाबा साहब अंबेडकर एजुकेशन यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. सोमा बंद्योपाध्याय ने कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, चुनाव देश में जनतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है। उन्होंने अपने जीवनानुभवों को साझा करते हुए कहा कि मेरे बचपन का हिस्सा नॉर्थ ईस्ट में अधिक गुजरा है, मिजोरम, केरल आदि जैसे राज्यों में देखा है कि वहाँ वोटिंग प्रतिशत भारत के अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा अधिक होती है। इसकी वजह यह है कि वहाँ के लोग शिक्षित हैं। वे अपने अधिकारों से परिचित हैं, इसलिए मतदान में भाग लेते है। लेकिन, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भी देश में कई जगहों पर लोग यह तक नहीं जानते कि उनके प्रत्याशी कौन हैं, किस दल से हैं, उनका चुनाव चिह्न क्या है। कुछ लोग तो बताते हैं कि उन्हें बता दिया जाता है कि इसमें वोट देना है और उसको वोट डाल देते हैं। यह किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए दुखद स्थिति है।

सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता सीए विनोद अग्रवाल ने कहा कि वोट का अधिकार बहुत महत्वपूर्ण अधिकार है। जो हमें बाबा साहब अंबेडकर ने दिया है। हमें खुद भी और समाज को भी अधिक से अधिक जागरूक करने की जरूरत है। आज गलत शब्द का पर्यायवाची राजनीति बन गया है। इस कारण इसमें अधिक से अधिक अच्छे लोगों का आना और जरूरी हो गया है। आज समय की सबसे बड़ी माँग यह है कि अच्छे लोग राजनीति में ज्यादा से ज्यादा आएँ। हमें राजनीति में अपने स्वार्थ को त्याग कर समाज एवं लोगों के लिए राजनीति करनी चाहिए।

सुप्रसिद्ध पत्रकार एवं संपादक कौशल किशोर त्रिवेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि देश में चुनाव और लोकतंत्र की स्थिति ऐसी है कि आम लोगों की जागरूकता के लिए हमें और काम करने की आवश्यकता है। लोगों को मतदान के प्रति संवेदनशील बनाना होगा, अगर हम खुद वोट देने नहीं जाते हैं, तो सरकार के रुख को लेकर चिंता करने अथवा उसे दोष देने का भी हमारा अधिकार स्वतः ही खत्म हो जाता है। जब हम सौ प्रतिशत वोट देने लगेंगे यकीन मानिए, सरकारें मनमानी करने से डरने लगेंगी।

सम्मेलन के राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन नंदलाल सिंघानिया ने कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि वोट देने हेतु जागरूकता के लिए हम कार्यक्रम करते रहे हैं और कर रहे हैं। हमें अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना चाहिए। हमें अपने परिवार और स्वजनों के साथ ही साथ आस-पास के लोगों को भी वोट देने के लिए प्रेरित, प्रोत्साहित करना चाहिए। वोट हमारा अधिकार है और इसका प्रयोग हमें करना ही चाहिए।

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

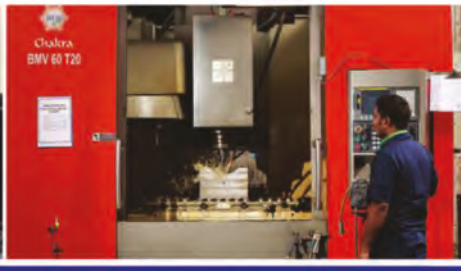

www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Introducing

nouriture

New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
ANMOL FEEDS PVT. LTD.

Toll free number:
1800 3131 577

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए कहा कि हम सभी को अपनी जिम्मेदारी समझकर वोट जरूर करना चाहिए।

सम्मेलन पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कुलपति डॉ. सोमा बंद्योपाध्याय एवं प्रेरक वक्ता सीए विनोद अग्रवाल को दुपट्टा व शाल भेंटकर सम्मान किया। साथ में प्रभात खबर के संपादक कौशल किशोर त्रिवेदी को दुपट्टा भेंटकर सम्मान किया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता ने 'तू वोट कर' कविता का पाठ कर लोगों को वोट देने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन कुमार जालान, पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल, जुगल किशोर जाजोदिया, शंकर लाल कारीवाल, अनिल कुमार मल्लावत, घनश्याम सुगला, पवन कुमार बंसल, पीयूष केयाल, सज्जन बेरिवाल, अशोक पुरोहित, रघुनाथ झुनझुनवाला, राजेश कुमार सोंथलिया, अरविंद कुमार मुरारका, बाबूलाल बंका, बिनय कुमार सिंघानिया, जीतेंद्र शर्मा, पवन जैन, सांवरमल शर्मा, प्रकाश चंद नाहर, सुनील कुमार खेता, शशि कांत शाह, सरद श्रॉफ, तारा चंद पाटोदिया व अन्य उपस्थित थे।

सम्मेलन समाचार

राजस्थानी-हिंदी भाषा के सुप्रसिद्ध लेखक डॉ. चेतन स्वामी का सम्मान

राजस्थानी-हिंदी भाषा के प्रख्यात डॉ. लेखक चेतन स्वामी का अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सोमवार को सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय, कोलकाता में अभिनंदन, सम्मान किया। इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि डॉ. चेतन स्वामी के भाषा के प्रति लगन के कारण राजस्थानी भाषा आंदोलन को गति मिला है। श्री लोहिया ने आगे कहा की चेतन स्वामी द्वारा २० वर्ष की उम्र में लिखी पहली कविता संग्रह 'सवाल' काफी लोकप्रिय रही हैं। श्री स्वामी का सम्मान करके हम अपने को सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने कहा कि चेतन स्वामी का राजस्थानी और हिंदी भाषा साहित्य पर सामान रूप से अधिकार है, उन्होंने आगे कहा कि श्री स्वामी लेखक के साथ ही साथ एक भाषा आंदोलनकारी भी हैं।

वित्त समिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया ने चेतन स्वामी को दुपट्टा एवं सुप्रसिद्ध उद्योगपति जुगल किशोर जाजोदिया ने शाल ओढ़ाकर सम्मान किया।

सम्मेलन पदाधिकारियों से डॉ. स्वामी ने राजस्थानी भाषा और साहित्य के विकास एवं प्रचार-प्रसार पर गंभीर चर्चा में भाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा :

सन १९३५ रा कळकतै में सेठ ईसरदासजी जालान री सूझ सूं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन री थापना होई। अबार सम्मेलन रा अध्यक्ष श्री शिवकुमार जी लोहिया है अर महामंत्री कैलाशपति तोदी है। म्हारै कळकतै प्रवास रै दौरान शिवकुमार जी रो आग्रह रैयो कै राजस्थानी भासा रै बधैपै मांय सम्मेलन री कांई भूमिका होय सकै, इण माथै आपरा विचार राखोसा। सम्मेलन सूं जुड़्या दसेक पदाधिकारियां मुंडागै म्हें कीं जरूरी बाता प्रगट करी, जिण मांय सूं कीं इण भांत है –

१)राजस्थानी मांय छप्योड़ी सामग्री बेसी सूं बेसी राजस्थानी घरां लग पुगाड़जै।

२)लोकगीतां, हरजसां, लोककथावा, कैवतां री नान्ही नान्ही पोथ्यां छापी जावै अर किशोर उमर रै टाबरां नै दी जावै।

३)होळी री धमाळां, गणगौर रा गीत, ब्याव रा गीत, नेगचार रा गीतां री पोथ्यां छापनै घरां में पुगाई जावै।

४) संस्कृत री आनुष्ठानिक पोथ्या रा मंत्रां नै राजस्थानी में करया जावै अर राजस्थानी मंत्रां सूं अनुष्ठान कराया जावै।

५) मीडिया रै जरियै राजस्थानी रो वातावरण बणायो राखणो चाइजै।

६) राजस्थानी रा कामां मांय युवा अर कदिसोरां नै बेसी जोड़्या जावै।

७) राजस्थानी भासा रै आंदोलणां में राजस्थानी भाई आपरो छोटो मोटो आर्थिक सैयोग करै।

८) राजस्थानी सम्मेलन, मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच जियांकली संस्थावां रा मुखपत्र राजस्थानी भासा में छपै।

९) नागरिक परिषदां आपरा दूजा कामां सागै, राजस्थानी भासा रै प्रचार रो काम भी करै।

१०) राजस्थानी लिखारां री पोथ्यां री तीन च्यार सौ प्रतियां सम्मेलन खरीदै।

११) राजस्थानी पत्रिकावां नै विज्ञापन दिराया जावै।

१२) राजस्थानी में खूब सारा पुरस्कार सरू करया जावै।

१३) मारवाड़ी सम्मेलन रै मुख्य पुरस्कार री राशि पांच लाख रिपिया करी जावै।

१४) राजस्थानी सीखावण री खेचल करी जावै।

१५) राजस्थानी सबदां री क्विज सरू करी जावै।

१६) राजस्थान रा मोटा सेठां नै राजस्थानी रो महत्व समझायो जावै।

१७) साल मांय कम सूं कम १५ राजस्थानी प्रोग्राम होवणा चाइजै।

१८) अखबारां मांय राजस्थानी रा कॉलम बधाया जावै।

१९) राजस्थानी में कूं कूं पतरी, बैनर, हार्डिंग छपाया जावै।

२०) राजस्थान सूं कळकतै आवणवाळै नेतावां नै राजस्थानी सारू काम नीं करण ताना दिया जावै।

इस अवसर पर पवन बंसल, राजीव लोढ़ा, जगदीश प्रसाद सिंघी एवं अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री शर्मा का राँची में सम्मान

३० अप्रैल को राँची आगमन पर राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मारवाड़ी भवन परिसर में मारवाड़ी समाज की तरफ से स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान करते हुए सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार केडिया। साथ में हैं राँची के सांसद संजय सेठ एवं भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान प्रत्याशी अजय मारू, पूर्व सांसद ललित पोद्दार तथा मनोज चौधरी।

जुगल किशोर अगरवाला का सम्मान

जोरहाट साहित्य सभा के अध्यक्ष जुगल किशोर अगरवाला के मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने श्री अगरवाला से सामाजिक एवं साहित्यिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

प्रसिद्ध लेखक राजेंद्र जोशी का सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में हिन्दी एवं राजस्थानी के प्रख्यात लेखक राजेंद्र जोशी का बुधवार को सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय, कोलकाता में अभिनंदन सम्मान किया गया। अभिनंदन समारोह के प्रधान अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, विशिष्ट अतिथि सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन नरेंद्र तुलस्यान रहे।

राजस्थान के राज्यमंत्री से मारवाड़ी सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट

राजस्थान के शहरी विकास और स्वशासन विभाग के राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं सहकारिता और नागरिक उड्डयन विभाग के गौतम कुमार दक के कोलकाता आगमन पर सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता ने दुपट्टा पहनाकर उनका अभिवादन किया। राज्यमंत्री महोदय ने श्री तोदी एवं श्री गुप्ता से सम्मेलन एवं समाज से संबंधित समसामयिक विषयों पर चर्चा की। राज्यमंत्री द्वय ने सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। सम्मेलन के शिष्टमंडल ने राजस्थान के राज्यमंत्री को सम्मेलन से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका 'समाज विकास' के कुछ अंक भेंट किए। साथ ही पदाधिकारियों ने मंत्री द्वय को सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में आने के लिए आमंत्रित किया। इस भेंटवार्ता में राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता एवं सूचना तकनीक एवं वेबसाइट उपसमिति के चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल शामिल थे।

प्रांतीय उपाध्यक्ष का सम्मान

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष गणपत भंसाली के मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी एवं शिव रतन फोगला ने दुपट्टा व शाल भेंटकर सम्मान किया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने श्री भंसाली से गुजरात के सामाजिक मुद्दों तथा गुजरात प्रांत के संगठन एवं सम्मेलन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों पर विस्तार से चर्चा की।

नोट : 'सम्मेलन मंच' स्तंभ के अप्रैल अंक के विषय 'राजनीति में मारवाड़ी समाज के वर्तमान भागीदारी की स्थिति' पर हमें बहुत अच्छी प्रविष्टियाँ मिली हैं। प्रविष्टियों पर निर्णायक मंडल का निर्णय जून अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

सम्मेलन के २०२३-२५ सत्र की अब तक की गतिविधियाँ

भेंट वार्ता

१. ७ जून २०२३ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल महामहिम श्री आनंद से राजभवन मे भेंट।
२. १२ अगस्त २०२३ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री राजेश बिंदल से कोलकाता में भेंट।
३. १३ अगस्त २०२३ असम के राज्यपाल श्री गुलाबचंद जी कटारिया के कोलकाता भ्रमण पर कोलकाता राज भवन में शिष्टाचार भेंट।
४. २६ सितंबर २०२३ भारत के राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में भेंट।
५. १९ दिसंबर २०२३ अखिल भारतीय महिला मारवाड़ी सम्मेलन की अध्यक्ष श्रीमती नीरा बथवाल से भेंट वार्ता।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों का दौरा

१. १२ जून २०२३ - राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान की गंगटोक में सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के गठन पर विचार-विमर्श के लिए बैठक।
२. १९ जून २०२३ को पुरी रथ यात्रा पर पुरी में दो दिवसीय सेवा शिविर का राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उद्घाटन।
३. १ अगस्त २०२३ को संबलपुर दिवस पर श्री कैलाशपति तोदी की संबलपुर की यात्रा।
४. ८ अगस्त २०२३ को राष्ट्रीय महामंत्री की दुर्गापुर एवं बांकुड़ा यात्रा।
५. १९ अगस्त २०२३ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया में सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित रहे।
६. २६ अगस्त २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा पाटलिपुत्र के श्री गुरु गोविंद सिंह की जन्मस्थली सिखों के दसवें गुरु तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के गुरुद्वारा में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष श्री जगजोत सिंह, पटना सिटी शाखा अधिकारी एवं सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। सरोपा देकर सम्मानित किया।
७. २६ अगस्त २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पटना स्थित समाज की संस्था माँ वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा संचालित पटना में सर्वाधिक नई तकनीकी मशीनों से लैस माँ ब्लड सेंटर का भ्रमण।
८. २७ अगस्त २०२३ को पटना स्थित श्री बालाजी नेत्रालय में दो अत्याधुनिक चक्षु परीक्षण मशीनों का राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उद्घाटन श्री युगल किशोर अग्रवाल अध्यक्ष बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष के सान्निध्य में।
९. ३ दिसंबर २०२३ को राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा जमशेदपुर का दौरा।
१०. १७ दिसंबर २०२३ को राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा संथाल परगना मारवाड़ी सम्मेलन के सभा में भागीदारी के लिए दुमका भ्रमण।
११. ६ एवं ७ जनवरी २०२४ राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री महेश जालान द्वारा उत्तराखण्ड का दौरा।
१२. ९ जनवरी २०२४ को राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा वाराणसी का दौरा।
१३. ९ से ११ फरवरी २०२४ को राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी एवं निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका द्वारा छत्तीसगढ़ का दौरा।
१४. २२ फरवरी २०२४ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया द्वारा सूरत का दौरा।
१५. २४ से २९ फरवरी २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी द्वारा पूर्वोत्तर का दौरा।
१६. १७ एवं १८ मार्च २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत जालान एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा उत्तराखंड दौरा।
१७. १६ अप्रैल २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी जमशेदपुर प्रमंडल द्वारा आयोजित राजस्थानी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए साकची दौरा।

स्वास्थ्य संबंधी पहल

१. २७ अगस्त २०२३ को गाड़ोदिया चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में गॉलब्लैडर, अपेंडिक्स, फिशर एवं पाइल्स ऑपरेशन के लिए विशुद्धानंद हॉस्पिटल ८० प्रतिशत तक के सहयोग के प्रावधान की घोषणा।
२. ७ सितंबर २०२३ को पश्चिम बंगाल के मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों को अमरी (मणिपाल) अस्पताल से छूट मिलने की व्यवस्था।
३. २६ मई २०२४ को नए दृष्टिकोण वाला शिविर मेवाड़ बैंक्वेट में आयोजित हुआ।

संगोष्ठी

१. १६ सितंबर २०२३ को स्वास्थ्य एवं उन्नत जीवनशैली विषय पर संगोष्ठी वक्ता- डॉ. राखी सान्याल।
२. १३ अक्तूबर २०२३ को सामाजिक परिवर्तन और आज की चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी, प्रधान वक्ता साहित्यकार डॉक्टर अलका सरावगी।
३. २ दिसंबर २०२३ को साहित्यकार एवं संपादक डॉक्टर बाबूलाल शर्मा द्वारा 'बात का चालंणा' विषय पर संगोष्ठी।
४. १५ जनवरी २०२४ को साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार से सम्मानित श्री देवीलाल महिया का अभिनंदन एवं सम्मान।
५. २० जनवरी २०२४ को मधुमेह एवं हार्मोनल विकार पर संगोष्ठी, वक्ता - डॉ. विनायक सिन्हा।
६. ९ मार्च २०२४ को 'जहाँ सुमति तह संपत्ति नाना' पर संगोष्ठी, प्रबुद्ध चिंतक एवं प्रोफेसर डॉक्टर तारा दूगड़ एवं कवि आलोचक एवं अध्येता प्रियंकर पालीवाल प्रधान वक्ता।
७. ६ अप्रैल २०२४ को 'मारवाडियों की राजनीति में वर्तमान स्थिति' विषय पर संगोष्ठी, प्रधान वक्ता, प्रबुद्ध चिंतक एवं राजस्थान पत्रिका समूह के प्रधान संपादक डॉ. गुलाब कोठारी।
८. २४ अप्रैल २०२४ को राजस्थानी हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि, लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता श्री रवींद्र जोशी का सम्मान।
९. २९ अप्रैल २०२४ को राजस्थान-हिंदी के सुप्रसिद्ध लेखक डॉ. चेतन स्वामी का सम्मान एवं विचार-विमर्श। राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विचार-विमर्श।

राष्ट्रीय आयोजन

१. १८ नवंबर २०२३ को दिवाली प्रीति सम्मेलन का आयोजन। स्थान - हल्दीराम बैंक्वेट।
२. २५ दिसंबर २०२३ को स्थापना दिवस समारोह का आयोजन। डॉ. देवराज मेहता को राजस्थानी व्यक्तित्व पुरस्कार।
३. ३ फरवरी २०२४ को संस्कार-संस्कृति कार्यक्रम के तहत 'कौड़ी से करोड़पति' की एक अभिनव प्रस्तुति।
४. २१ फरवरी २०२४ को कोलकाता के बालीगंज स्थित हल्दीराम बैंक्वेट में सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार एवं केदारनाथ भागीरथी देवी कनोड़िया राजस्थानी बाल साहित्य पुरस्कार प्रदान।
५. २४ नवंबर २०२३ को मारवाड़ी व्यापार प्रकोष्ठ का शुभारंभ। उपरांत ८ दिसंबर २०२३, २२ दिसंबर २०२३ एवं ५ जनवरी २०२४ को सम्मेलन सभागार में बैठक का आयोजन।

उपसमितियों की बैठक

१. ६ सितंबर २०२३ स्वास्थ्य उपसमिति।
२. २४ सितंबर २०२३ संविधान समिति उपसमिति।
३. २५ सितंबर २०२३ पुरस्कार उपसमिति।
४. ४ अक्तूबर २०२३ मायड़ भाषा उपसमिति।
५. ५ अक्तूबर २०२३ सूचना तकनीकी एवं वेबसाइट उपसमिति।
६. ७ अक्तूबर २०२३ समाज विकास उपसमिति।
७. १६ अक्तूबर २०२३ संस्कार संस्कृति उपसमिति।
८. ४ नवंबर २०२३ समाज सुधार उपसमिति।
९. ७ नवंबर २०२३ विधिक उपसमिति।
१०. २५ नवंबर २०२३ राजनीतिक चेतना उपसमिति।
११. १८ दिसंबर २०२३ स्वास्थ्य उपसमिति।
१२. २४ दिसंबर २०२३ संविधान उपसमिति।
१३. २४ दिसंबर २०२३ समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति।
१४. १३ जनवरी २०२४ उच्च शिक्षा उपसमिति।
१५. २० जनवरी २०२४ संस्कार संस्कृति उपसमिति।
१६. २२ मार्च २०२४ राजनीतिक चेतना उपसमिति।
१७. ८ अप्रैल २०२३ भवन निर्माण उपसमिति।
१८. १३ मई २०२५ संविधान उपसमिति।

बैठक

१. ४ जून २०२३ राष्ट्रीय पदाधिकारियों की जूम पर प्रथम बैठक।
२. २९ जून २०१९ राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की जूम पर बैठक।
३. ९ जुलाई २०२३ अखिल भारतीय समिति की कोलकाता में बैठक।
४. ९ जुलाई २०२३ 'आज की बोधशाला' प्रशिक्षण कार्यक्रम।
५. २७ अगस्त २०२३ पटना में कार्यकारिणी समिति की बैठक।
६. २४ सितंबर २०२३ कोलकाता में वार्षिक साधारण सभा।
७. ४ नवंबर २०२३ कोलकाता में स्थायी समिति की बैठक।
८. २४ दिसंबर २०२३ कोलकाता में कार्यकारिणी समिति की बैठक।
९. १७ मार्च २०२४ को अखिल भारतीय समिति की हरिद्वार में बैठक।
१०. २१ अप्रैल २०२३ कोलकाता मे कार्यकारिणी समिति की बैठक।

संगठन विस्तार

२०२३-२५ सत्र में अब तक ३२ विशिष्ट संरक्षक सदस्य, ११ संरक्षक सदस्य, २२०२ आजीवन सदस्य, ५ विशिष्ट सदस्य यानी कुल २२५० सदस्य बने हैं।

उच्च शिक्षा कोष

वित्तीय वर्ष २०२३-२४ में २० लाख ५७ हजार, जिसमें से मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन से १२ लाख ५९ हजार एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से ७ लाख ९८ हजार की राशि छात्र-छात्राओं को आवंटित की गई है। अब तक कुल राशि ३ करोड़ ७६ लाख २८ हजार दिए गए हैं।

केंद्रीय वित्तमंत्री का सम्मान

निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका एवं संजय सुरेका ने केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के दफ्तर में सौजन्य भेंटकर अंगवस्त्र, शॉल, दुपट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया। भानीराम सुरेका ने अपनी पुस्तकें भी वित्तमंत्री को भेंट की।

विनम्र निवेदन

हम सभी जानते हैं कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अनेक क्षेत्रों में फैला हुआ है। विगत ८९ वर्षों में इसने अपनी भूमिका सुंदर रूप से निभाई है। १९३५ से लेकर अब तक असंख्य कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन में अपने लगन एवं निष्ठा द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिनके अवदानों के बिना सम्मेलन की स्थिति वह नहीं हो सकती थी जो कि आज है।

सम्मेलन की ओर से एक प्रयास किया जा रहा है कि विभिन्न प्रांतो में जो सम्मेलन के भूतपूर्व एवं वर्तमान कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन के विस्तार में समर्पित भाव से उल्लेखनीय भूमिका निभाई है उनके अवदानों को हम समाज विकास में प्रकाशित करें।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस विषय में हमें आवश्यक जानकारी फोटो सहित प्रेषित करने की कृपा करें।

शत-प्रतिशत मतदान जागरूकता के लिए सक्रिय मारवाड़ी सम्मेलन

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की हुगली शाखा द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'मतदान हमारा कर्तव्य हमारा अधिकार' शाखाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल के अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस संगोष्ठी में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया ने समाजबंधुओं को बताया की स्थापना के समय सन १९३५ में ही सम्मेलन ने सभी समाजबंधुओं को राजनीति से जुड़कर देश के उन्नति के कार्य में संलग्न होने के लिए आह्वान किया था। इस प्रकार सम्मेलन हमेशा राष्ट्र, समाज एवं व्यक्ति विकास के क्षेत्र में कार्य करता आया है। उन्होंने कहा कि यह हम सब की जिम्मेदारी है कि राजनीति एवं मतदान के प्रति समाज की जो उदासीनता की छवि है उसमें सुधार लाने के लिए हर संभव प्रयास करें। मुख्य वक्ता एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ ने कहा कि सम्मेलन सभी समाज के सभी इकाइयों का है। विभिन्नता में एकता का हमारा देश है जहां तरह-तरह के जाति धर्म संप्रदाय के लोग रहते हैं लेकिन प्रजातंत्र के कारण ही हम लोग एक सूत्र में बंधे हुए हैं। हमें मतदान के लिए हमारी चेष्टा मतदाता बनने से प्रारंभ होना चाहिए। हमारे समाज में १८ वर्ष के होते ही हमें मतदाता बनने के लिए पूरी कोशिश करते रहना चाहिए। पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को यह संकल्प करना चाहिए कि मैं तो मतदान करूंगा ही और अन्य ५-१० वोट भी साथ में दिलवाऊंगा। हिंदी भाषा समाज की वोट के प्रति उदासीनता साफ दिखाई देती है। इस बार इस विषय में हमें सजग होना चाहिए। संगोष्ठी में बोलते हुए स्थानीय सामाजिक नेता श्री देवटिया ने कहा कि मारवाड़ी समाज जहां भी रहें एक जुट होकर के रहे। मतदान को महत्व नहीं देना यह बहुत बड़ी भूल है। बियानी ने कहा कि हम जीवन में हर क्षेत्र में निरंतर निर्जीव-सजीव चीजों का चुनाव करते रहते हैं लेकिन मतदान में चुनाव के प्रति हमारी उदासीनता स्पष्ट है। चुनाव एक महत्वपूर्ण। हमारे जीवन के लिए हमारे समाज के लिए एवं राष्ट्र के लिए चुनाव एक महत्वपूर्ण। इसमें हमें जरूर भाग लेना चाहिए। संस्कृति पुरोहित ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने बहुत कष्ट उठाकर स्वतंत्रता हमें प्रदान की है इस स्वतंत्रता को प्रजातंत्र के रूप में बचा कर रखना हमारी पवित्र जिम्मेवारी है। हमें बड़ों से उनका अनुभव एवं उनका मार्गदर्शन लेना है। वोट अगर हम नहीं करते हैं तो हमारा अधिकार छिन जाता है। अमित मोदी ने कहा मतदान को एक त्योहार के ऊपर लेना चाहिए। जैसे हम होली दीवाली त्योहार मनाते हैं वैसे ही सब कोई मिलकर के मतदान में भाग ले।

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने सभा का संचालन किया एवं श्रोताओं को सम्मेलन के कार्यक्रमों के विषय में अवगत कराया। शाखा अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं आशा व्यक्ति की कि उनका मार्गदर्शन हमें सदैव मिलता रहेगा। इस अवसर पर हुगली शाखा के नए सदस्यों का भी स्वागत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन पवन जैन ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता, विश्वनाथ भुवालका, सज्जन बेरीवाल, अशोक पुरोहित, प्रमोद जैन, पंकज राठी, सुशील भावसिंहका, पुरणामत अग्रवाल एवं युवा मंच के सदस्य और काफी संख्या में स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम में अपनी सहभागिता की।

वृक्षारोपण

४ मई को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोड़िया ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर ५१ पौधारोपण किया।

दिव्यांग सेवा

५ मई को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने माहेश्वरी सदन, राणा प्रताप कॉलोनी में दिव्यांग सेवा की। इस सेवा कार्यक्रम में प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोड़िया उपस्थित रहे।

देश की प्रगति के लिए मतदान करने का फर्ज अदा करें : श्री लोहिया

न्यू टाउन नागरिक सेवा समिति एवं लायंस क्लब ऑफ न्यू टाउन के सहयोग से पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने न्यू टाउन में 'हमारा मत हमारी ताकत' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि मतदान हमारा पवित्र कर्तव्य है, इस कर्तव्य का पालन करना हमारा धर्म है। उन्होंने सभी समाज-बंधुओं से आह्वान किया कि इस ओर जागृत होकर इस यज्ञ में शामिल हों।

समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने सम्मेलन के इतिहास से उपस्थित श्रोताओं को अवगत कराया एवं बताया कि प्रारंभ काल से ही सम्मेलन समाज-बंधुओं को राजनीति में शामिल होकर देश की उन्नति के काम में संलग्न होने का आह्वान करता रहा है। सम्मेलन का ध्येय वाक्य है – 'म्हारो लक्ष्य, राष्ट्र री प्रगति'। हम लोग देश की प्रगति के लिए मतदान में भाग लेकर अपना फर्ज निभा सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि न्यू टाउन में सम्मेलन की शाखा खोली जाए एवं अन्य सभी जगह सम्मेलन के सांगठनिक विस्तार में समाज-बंधुओं को सहयोग देने का आग्रह किया। मुख्य वक्ता प्रदीप जीवराजका ने बताया कि मतदान में लगभग ६७ प्रतिशत लोग मतदान करते हैं, जबकि ३३ प्रतिशत लोग उदासीन रहते हैं। यह ३३ प्रतिशत एक बड़ी संख्या है। हमें चाहिए कि हम, हमारे समाज-बंधुओं से शत-प्रतिशत मतदान करवाने का प्रयास करें।

सर्वप्रथम न्यूटाउन नागरिक सेवा समिति के अध्यक्ष पवन टेकरीवाल ने आगंतुक अतिथियों एवं श्रोताओं का स्वागत किया एवं उन्होंने आशा जताई कि आज के आयोजन से निश्चित रूप से मतदान करने में समाज-बंधुओं की भागीदारी बढ़ेगी। युवा वक्ता अमित तोदी, पूनम गांधी, गौतम टेकरीवाल एवं सोए कमल गोयल आदि ने मतदान के विषय में भिन्न-भिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला एवं आह्वान किया कि मतदान में भाग लेना हम सबकी जिम्मेदारी है। सभा का संचालन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी एवं अशोक पुरोहित ने संयुक्त रूप से किया। प्रथम में सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया एवं अंत में उन्हें प्रतीक चिह्न देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। मातृशक्ति, नारी शक्ति की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। सभा में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन जालान, राजेश सोंथलिया, भगवान दास अग्रवाल, पवन जैन, पंकज ककरानिया, सुशील गोयनका, श्रीगोपाल केडिया, सुनीत टेकरीवाल, आनंद केशान, अनिल डोकानिया, राजेंद्र बुधिया, आशीष लड़िया, अंकित डोकानिया, विवेक खेमका, नरेंद्र केजरीवाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पर्यावरण

ग्रीन मॉलः

कोलकाता का छुपा हुआ रतनागर हमें पहली मई को ग्रीन मॉल जाने का मौका मिला और यह एक मधुर अनुभव रहा। जिसे हम केवल एक विशाल नर्सरी समझते थे, वह एक पर्यावरण का संसार है। बारह एकड़ में फैला ग्रीन मॉल, पौध प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग है। यहाँ आपको न केवल घर और बगीचों के लिए उपयुक्त इनडोर और आउटडोर पौधों का सबसे बड़ा संग्रह मिलेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण भी देखने को मिलेगा।

पौध-प्रेमियों का स्वर्ग

ग्रीन मॉल की ऊँचे विशालकाय पौधे तुरंत आपका ध्यान आकर्षित करते हैं – ४० फीट तक ऊँचे पेड़ और ताड़ के पौधे हजारों की संख्या में उपलब्ध है। दुर्लभ और लुप्तप्राय पाम वृक्षों की प्रजातियों का विशाल संग्रह यहाँ मौजूद है।

पर्यावरण शिक्षा का केंद्र

ग्रीन मॉल की 'फ्रूट एंड स्पाइस गार्डन' अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के उनके समर्पण का प्रमाण है। स्कूली बच्चे यहाँ तीन घंटे की यात्रा का आनंद लेते हैं: नर्सरी का भ्रमण करते हैं, स्पाइस गार्डन में प्रकृति के चमत्कारों की खोज करते हैं, और होम-गार्डनिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। यह अनूठी पहल बच्चों के मन में यह संदेश देती है कि हमारे वरिष्ठ आने वाली पीढ़ी के लिए सोचते हैं।

आध्यात्मिकता की ओर प्रकृति का मिलन

आप ग्रीन मॉल के भीतर की शुद्धता और पवित्रता को सहज ही महसूस कर सकते हैं, जहाँ मनमोहक 'प्रकृति वंदना' की ध्वनि परिवेश में गूँजती है। पर सबसे मनभावन है यहाँ का 'प्रकृति मंदिर' – जो पर्यावरण के अनुकूल सामग्री से बनी एक आकर्षक कुटिया है। इसके भीतर 'माँ प्रकृति' की छह फुट ऊँची मूर्ति विराजमान है। यह अद्भुत कलाकृति पूरे ब्रह्मांड, नक्षत्रों, पाँच तत्वों और हमारी मातृभूमि का अविश्वसनीय चित्रण करती है –

हरियाली के पीछे दूरदर्शी

इस उल्लेखनीय संस्थान के संस्थापक हैं एकहत्तर वर्षीय दिनेश रावत। एक सफल व्यवसायी से पर्यावरणविद बने रावत जी की कहानी प्रेरक है। कोलकाता में जन्मे, अलवर से ताल्लुक रखने वाले रावत जी ब्रह्माकुमारी संस्थान से प्रेरित होकर अपना जीवन व प्रकृति की सेवा के लिए समर्पित कर चुके हैं।

ऐसे प्रयासों को सबकी जानकारी में लाने की जरूरत है

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस असाधारण प्रयास को कम ही लोग जानते हैं। ग्रीन मॉल जैसे प्रयास हमारे लिए गर्व की बात है। यह इस बात की याद दिलाता है कि सच्चा बदलाव अकसर व्यक्तियों के जुनून और हमारे ग्रह के प्रति प्रतिबद्धता से ही आता है।

अक्षय तृतीया पर्व का महत्व

सनातन धर्म में वैशाख मास का काफी महत्व है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है। इस दिन परशुराम जयंती भी मनाई जाती है।

अक्षय तृतीया का पर्व बेहद शुभ और सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दिन स्नान, दान, जप, तप, श्राद्ध और अनुष्ठान का बहुत महत्व है। अक्षय तृतीया के दिन को अत्यंत शुभ मानने को लेकर कई पौराणिक कथाएँ भी हैं, जो इस दिन के महत्व को और ज्यादा बढ़ा देती हैं। यहाँ हम अक्षय तृतीया से जुड़ी ५ कथाओं के बारे में जानेंगे-

भगवान परशुराम जन्मदिवसः भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम का जन्म अक्षय तृतीया को ही हुआ था। इसलिए, इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाते हैं। परशुराम महर्षि जमदाग्नि और माता रेनुका देवी के पुत्र थे। उन्होंने अपने पराक्रम के बल से २१ बार पृथ्वी को क्षत्रिय विहीन कर पृथ्वी को ब्राह्मणों को दान कर दी थी। यही वजह है कि अक्षय तृतीया के शुभ दिन भगवान विष्णु की उपासना के साथ परशुराम जी की भी पूजा की जाती है।

ब्रह्मर्षि परशुराम के सामर्थ्य के लिए निम्नलिखित श्लोक रचा गया है-

अग्रतः चतुरो वेदाः, पृष्ठतः सशरः धनुः।
इदं ब्राह्मः, इदं क्षात्रः, शास्त्रादपि शरादपि।।

अर्थात परशुराम जी के समक्ष चारों वेदों का ज्ञान, पीठ पर बाणों से भरा तरकश विद्यमान था। ब्राह्म और क्षात्र गुण संपन्न यह ऋषि शास्त्र से या शस्त्र से हर हालत में विजय पाने में समर्थ थे। इन्होंने स्वयं भगवान शंकर से शस्त्र की शिक्षा ली थी और शंकर ने उन्हें अपना एक धनुष उनकी वीरता से प्रसन्न होकर दिया था, जिस पर बाण चढ़ाने वाले सिर्फ विष्णु या उनके अवतार ही हो सकते थे। इन्हीं गुणों के कारण इन्हें ब्रह्मक्षत्रिय भी कहते हैं।

देवी अन्नपूर्णा जयंतीः मान्यता है कि भंडार और रसोई की देवी माता अन्नपूर्णा का जन्म भी अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। अक्षय तृतीया को माँ अन्नपूर्णा की भी पूजा की जाती है। माँ अन्नपूर्णा के प्रसन्न हो जाने पर कभी भी अन्न के भंडार खाली नहीं रहते। यानी संपन्नता और खुशहाली रहती है।

सुदामा की कृष्ण से मुलाकातः भगवान कृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा की कहानी तो जग में विख्यात है। कहा जाता है कि गरीब ब्राह्मण सुदामा अक्षय तृतीया के दिन भगवान कृष्ण से मुलाकात करने गए थे। भगवान को

सुदामा उपहार में सूखे चावल भेंट किए थे, जिसके बदले भगवान कृष्ण ने उन्हें दो लोकों का स्वामी बना दिया था। मान्यता है कि आज के दिन भगवान विष्णु को चावल चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

द्रौपदी का अक्षय पात्रः पौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि पांडवों की पत्नी द्रौपदी को भगवान विष्णु की उपासना करने पर आज के दिन ही प्राप्त अक्षय पात्र का भोजन कभी घटता नहीं था।

गंगा का पृथ्वी पर अवतरणः अक्षय तृतीया की पाँचवीं कथा है महाराज भगीरथ से प्रसन्न होकर माँ गंगा के पृथ्वी पर अवतरण की। कहा जाता है कि हजारों की साल की तपस्या के बाद अक्षय तृतीया के दिन जहाँ माँ गंगा पृथ्वी पर आई थीं। महाराज भगीरथ भगवान राम और उनके पिता राजा दशरथ के पूर्वज थे। कहा जाता है कि भगवान विष्णु का विवाह इसी दिन हुआ था। यानी अक्षय तृतीया के दिन विवाह करने वाले दंपति माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की जोड़ी की तरह पूरे जीवन भर सुखी और प्रसन्न रहते हैं। अक्षय तृतीया को स्वयं सिद्ध मुहूर्त माना गया है।

चरण स्पर्श हमारी संस्कृति

जब हम किसी के चरण-स्पर्श करते हैं तो हृदय में समर्पण तथा विनम्रता का भाव जागृत होने के साथ ही अहंकार नष्ट होता है। बड़ों से आशीर्वाद के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। चरण स्पर्श करते समय दोनों हाथों से दोनों पैरों को छूना चाहिए, एक हाथ से पैर छूने का तरीका सही नहीं है।

सोलह शृंगार सौंदर्य एवं सौभाग्यवर्द्धक

सनातन धर्म में सोलह संस्कारों की भाँति सोलह शृंगार भी अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। जिन्हें वैवाहिक सुहागिन महिलाएँ किसी पर्व, विवाह एवं मंगल कार्यों में प्राथमिकता से करती है।

उन्हें संवरना भी चाहिए। क्योंकि, हिंदू धर्म में प्रत्येक विवाहित स्त्री का शृंगार करना महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि अनिवार्य माना जाता है। चूंकि, मान्यता यह है कि सुहागिनों द्वारा १६ शृंगार उनके पति की दीर्घायु की कामना और परिवार की सुख-समृद्धि हेतु परम आवश्यक है। क्योंकि, ऋग्वेद के अनुसार १६ शृंगार स्त्रियों के लिए सौंदर्य ही नहीं, बल्कि सौभाग्यवर्द्धक भी माने जाते हैं।

इसके अलावा १६ शृंगार महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से भी १६ के १६ शृंगार शरीर के विभिन्न अंगों पर भिन्न-भिन्न प्रभाव दिखाते हैं। जैसे - (१) मांग टीका शरीर की गर्मी को नियंत्रित करता है। (२) सिंदूर मस्तिष्क की नशें नियंत्रित करता है। (३) बिंदी से एकाग्रता सुनिश्चित होती है। (४) सर्वविदित है कि काजल आँखों को लाभान्वित करता है। (५) मान्यता है कि नथ हेतु नाक में छिद्र प्रसव पीड़ा को राहत देता है। (६) कान के गहने के दबाव (एक्यूप्रेशर) से गुर्दे स्वस्थ रहते हैं। (७) हार अर्थात मंगलसूत्र इत्यादि गहने रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) के स्तर को नियंत्रित करते हैं। (८) गजरा जैसे कि चमेली के फूलों का गजरा सकारात्मकता लाता है और ऊर्जा का संचार करता है। (९) बाजूबंद मांसपेशियों में खिंचाव और हड्डियों की पीड़ा को नियंत्रित करने में सहायक होता है। (१०) सोने-चाँदी की चूड़ियाँ हाथ की हड्डियों के लिए लाभदायक होती हैं। (११) अंगूठी वाली उंगली की नस मस्तिष्क से जुड़ी होने से मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ती है। (१२) मेहंदी रक्त संचार को नियंत्रित कर शरीर को ठंडक पहुँचाती है। (१३) कमरबंद कमर की वसा (फैट) को जमने से रोकती है। (१४) पायल से सूजी हुई एड़ियों को राहत मिलती है। (१५) बिछिया वाली उंगली की नसें गर्भाशय एवं हृदय से जुड़ी होने से रक्त संचार और महावारी को नियंत्रित रखने में सहायक होती है और (१६) सर्वविदित है कि लाल जोड़ा पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। भले ही पवित्रता का वैज्ञानिक कारण नहीं है। परंतु शृंगार का वैज्ञानिक नाम हरसिंगार दिया गया है।

अत: भारतीय सभ्यता और संस्कृति में युगों-युगों से वैवाहिक सुहागिनें १६ शृंगार करती आ रही हैं। जिन्हें सतयुग, त्रेता, द्वापर और अब कलियुग में भी सौंदर्य का प्रतीक एवं सौभाग्यवर्द्धक माना जाता है।

उबले चने की कहानी

राजा वीरसेन के कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने अपने राज्य से योग्य युवक को उत्तराधिकारी बनाने का फैसला किया। उन्होंने सेनापति से विचार-विमर्श करते हुए पूछा, "मेरा यह विचार कैसा लगा?"

सेनापति ने कहा, "महाराज, आपने राज्य की भलाई के लिए बड़ा अच्छा विचार किया है।"

राजा ने घोषणा करवाई कि जो भी युवक राजा बनना चाहता है, वह महल आए। अगले दिन, कई युवक महल पहुँचे। राजा ने उन्हें उबले हुए चने दिए और कहा, "इन्हें बोओ और एक माह बाद वापस आओ। जिसका पौधा सबसे लंबा होगा, वही राजा बनेगा।"

युवक चने लेकर अपने घरों को चले गए। रामवीर के चने नहीं उगे, लेकिन उसने ईमानदारी से राजा को बताया। बाकी युवकों ने झूठ बोला और राजा को दूसरे पौधे दिखाए।

एक माह बाद, जब युवक वापस आए, तो राजा ने रामवीर को राजा घोषित कर दिया। युवक आश्चर्यचकित थे। उन्होंने पूछा - "महाराज, हमारे पौधे हरे-भरे हैं, परंतु आपने रामवीर को राजा बनाया जिसके बीज भी अंकुरित नहीं हुए हैं?"

राजा ने कहा, "तुमने बेईमानी की। मैंने तुम्हें उबले हुए चने दिए थे, जो नहीं उग सकते। रामवीर ने ईमानदारी से चने उगाए, इसलिए वह राजा बनेगा।"

सीख: जीवन में ईमानदारी बरते, इससे अच्छे ही परिणाम मिलते हैं। ईमानदारी से किया गया काम आपको सफलता दिलाता है, बेमानी से किया गया काम आपको असफलता ही देगा।

जीतिए पुरस्कार

सभी अभिभावकों से हमारा अनुरोध है कि घर में बच्चों, युवाओं तक इन सामग्री को पहुँचाएँ एवं यह सुनिश्चित करें कि वह इनका पठन-पाठन करें। बच्चों द्वारा इन विषयों पर उनकी सम्मति विशेष रूप से आमंत्रित है। अंक में समाहित ज्ञान गंगा एवं अन्य विषयों पर बच्चों एवं युवकों की राय की प्रतीक्षा रहेगी। यह प्रयास तभी सफल होगा जब प्रत्येक घर में अभिभावक एवं बच्चे इन विषयों पर चर्चा करें एवं अपनी प्रतिक्रिया दें। बच्चों द्वारा भेजी गई तीन श्रेष्ठ राय पर पुरस्कार देने की भी योजना है। आप अपनी प्रतिक्रिया हमें editorsamajvikas@gmail.com पर भेज सकते हैं। - **संपादक**

आदमी और ४ उसकी पत्नियाँ

एक बार वह आदमी बीमार पड़ गया, समय बीतता गया और उसे अपनी मृत्यु करीब दिखने लगी। उसने चारों को बुलाया और बारी-बारी उन्हें अपने साथ चलने को कहा। व्यक्ति ने पत्नियों से कहा मैंने तुम्हें दिन-रात प्यार किया उम्र भर तुम्हारा ख्याल रखा। अब मैं मरने वाला हूँ क्या तुम मेरे साथ चलोगी? पहली पत्नी ने जवाब दिया, "मुझे पता है कि आप मुझसे प्यार करते हो, लेकिन मैं आपके साथ नहीं जा सकती। अलविदा प्रिय!" दूसरी पत्नी ने जवाब दिया - "आप की पहली पत्नी ने आपके साथ आने से इंकार कर दिया तो फिर मैं भला आपके साथ कैसे जा सकती हूँ।" तीसरी पत्नी ने कहा - "मुझे आप पर दया आ रही है और अपने लिए दुख भी है, इसलिए मैं अंतिम संस्कार तक साथ रहूँगी पर इसके आगे नहीं।" व्यक्ति ने चौथी पत्नी के साथ हमेशा एक दासी की तरह व्यवहार किया था। इसलिए उसे लगा कि मृत्यु के बाद वह कभी उसके साथ नहीं जाएगी। फिर भी उसने चौथी पत्नी से भी दूसरी दुनिया में साथ चलने के लिए कहा- चौथी पत्नी ने तुरंत पति का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। चौथी पत्नी ने जवाब दिया - "मैं आपके साथ जाऊँगी कुछ भी हो, मैं हमेशा साथ रहने के लिए दृढ़ संकल्पित हूँ; मैं आपसे अलग

नहीं रह सकती"।

सीख: हमारा मन, चेतना, क्रोध, लोभ और असंतोष कर्म के नियम हैं। हम अपने कर्म से कभी पीछा नहीं छुड़ा सकते हैं।

बूझो तो जानें...

1. दुबली-पतली देह पर पहने काले कपड़े। धूप से करे दो हाथ और पानी से झगड़े।
2. मैं हूं हरी, मेरे बच्चे काले, मुझे छोड़, बच्चों को खाते।

उत्तर अगले अंक में –

अप्रैल अंक का उत्तर- 1. मेज, 2. केला

ज्ञान गंगा

छात्र के गुण

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

अर्थात - महज इच्छा रखने भर से कोई कार्य पूरा नहीं होता, बल्कि उसके लिए उद्यम अर्थात मेहनत करना जरूरी होता है। ठीक उसी तरह जैसे शेर के मुँह में सोते हुए हिरण खुद-ब-खुद नहीं आ जाता, बल्कि उसे शिकार करने के लिए परिश्रम करना होता है।

जीवन का महत्व

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

अर्थात - छोटे चित यानी छोटे मन वाले लोग हमेशा यही गिनते रहते हैं कि यह मेरा है, वह उसका है, लेकिन उदारचित अर्थात बड़े मन वाले लोग संपूर्ण धरती को अपने परिवार के समान मानते हैं।

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों से करवाएँ

इस समर वेकेशन अपने बच्चों को बचत करना सिखाएँ। बचत जिंदगी में बहुत जरूरी होती है। पैसा कमाना जितना जरूरी होता है उससे भी कहीं जरूरी बचत करने की आदत होती है। अपने बच्चे को एक छोटा सा गुल्लक लाकर दें और उसे समझाएँ कि कैसे वह थोड़े-थोड़े पैसे इस गुल्लक में इकट्ठा कर सकता है।

अपने बच्चे को जब आप बचपन से ही अपना काम खुद करना सिखाएँगी तभी आगे चलकर वह आत्मनिर्भर बन पाएगा। अपने कपड़े फोल्ड करना, पानी की बोतल भरना, अपनी चीजों को जगह पर रखना, ऐसी छोटी-छोटी आदतें आप अपने बच्चे को सिखा सकती हैं। आपका बच्चा कौन सा काम अभी खुद कर सकता है और कौन सा काम अभी वह नहीं कर पाएगा, यह आप उसकी उम्र के आधार पर तय करें। जब बचपन से ही आपके बच्चे में अपना काम खुद करने की आदत विकसित होगी तो आगे चलकर वह आत्मनिर्भर बन पाएगा।

गर्मियों की छुट्टियाँ शुरू हो गई हैं। स्कूल बंद होने से बच्चे काफी उत्साहित हैं कि वह घर पर रहेंगे और अपने मनपसंद के काम करेंगे। ऐसे में माता-पिता को बच्चों की गर्मियों की छुट्टियाँ ऐसे प्लान करनी चाहिए, ताकि उनके पास खेलने का समय भी हो और वह पढ़ाई व दूसरी एक्टिविटी में भी रुचि ले सकें।

आइए, जानते हैं गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को व्यस्त रखने और नया सिखाने के लिए कुछ अच्छी एक्टिविटी के विकल्प के बारे में।

कोई नई भाषा सिखाएँ : हर बच्चे को हिंदी और अंग्रेजी आनी चाहिए। इसके अलावा बच्चे को किसी अन्य भाषा का ज्ञान भी होना चाहिए। भाषा का ज्ञान भविष्य में बच्चे की काफी मदद कर सकता है। गर्मियों की छुट्टियों में बच्चे को कोई भाषा सिखाएँ।

म्यूजिक या डांस : बच्चे को गर्मियों की छुट्टियों में डांस या म्यूजिक क्लास ज्वाइन करा सकते हैं। ये दोनों ऐसी एक्टिविटी हैं जो अधिकतर बच्चों को पसंद होती है। अगर डांस

क्लास भेज रहे हैं तो किसी विशेष डांस फॉर्म को सीखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। डांस उनके शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करेगा और आत्मविश्वास भी बढ़ाएगा। इसके अलावा बच्चे में अगर टैलेंट या शौक है तो म्यूजिक सिखा सकते हैं। उन्हें कोई इंस्ट्रूमेंट बजाना सिखा सकते हैं। संगीत सीखने से बच्चा स्कूल में स्टेज परफॉर्मेंस देना सीखेगा।

सेल्फ डिफेंस : हर बच्चे को, खासकर लड़कियों को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग जरूर देनी चाहिए। खुद को सुरक्षित रखने और भविष्य में किसी परेशानी से निकलने में इस तरह की ट्रेनिंग काम आएगी। बच्चे को कराटे क्लास, बॉक्सिंग क्लास ज्वाइन करा सकते हैं। बच्चा शारीरिक तौर पर मजबूत बनेगा और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

स्पोर्ट्स की ट्रेनिंग : गर्मियों की छुट्टी का मतलब बच्चों के लिए खेलना-कूदना है। बच्चे को खेलने दें, लेकिन आप उन्हें किसी स्पोर्ट्स विशेष की खास ट्रेनिंग दिला सकते हैं, ताकि बच्चा उसे प्रोफेशनली सीख सके। जैसे बच्चे को फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, स्विमिंग आदि की क्लास में भेज सकते हैं।

आर्ट और क्रॉफ्ट : आर्ट और क्रॉफ्ट ऐसी इनडोर एक्टिविटी है, जिसमें बच्चों को रोजाना कुछ नया सीखने को मिलता है। फिंगर पेंटिंग से लेकर ब्लो पेंटिंग, पेपर क्विलिंग, डीआईवाई में करने को बहुत कुछ है। आर्ट एंड क्रॉफ्ट के लिए यूट्यूब से मदद ली जा सकती है। यह याद रखिए कि आर्ट एंड क्रॉफ्ट का चाहे रिजल्ट बहुत खूबसूरत न हो, जरूरी यह है कि आपको अपने बच्चे के साथ समय बिताने को मिल रहा है और उन्हें नया सीखने को भी।

ट्रैवल : ट्रैवल करने से इतनी चीजें सीखी जा सकती हैं, जिसकी कल्पना करना आसान नहीं है। खासकर जब रोड ट्रिप लिए जाते हैं तो बच्चों को करीब से कई चीजें देखने और समझने का मौका मिलता है। चाहे तो एक्स्टेंडेड फैमिली से मिलने दूसरे शहर जाना हो या फिर यूँ ही घूमने के लिए, बच्चों के लिए ट्रैवल करने से उन पर हीलिंग इफेक्ट पड़ता है।

प्रादेशिक समाचार : उत्तराखंड

उत्तराखंड के प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री संतोष खेतान, अखिल भारतवर्षीय सम्मेलन उपाध्यक्ष श्री रंजीत जालान ने अन्य पदाधिकारियों के साथ मिल कर हरिद्वार मे उत्तर प्रदेश के प्रादेशिक अध्यक्ष श्रीगोपाल तुलस्यान एवं कोषाध्यक्ष श्री आदित्य पोद्दार का सम्मान किया।

प्रादेशिक समाचार : छत्तीसगढ़

शीतल जल प्याऊ का लोकार्पण

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, रायपुर शाखा द्वारा अस्थाई शीतल जलधारा का लोकार्पण किया गया। मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष पुरषोत्तम सिंघानिया, प्रांतीय महामंत्री अमर बंसल, रायपुर शाखाध्यक्ष संजय शर्मा एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (National Health Authority) की वेबसाइट से आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (आभा) Ayushman Bharat Health Account (ABHA) नाम से कार्ड भारत के प्रत्येक नागरिकों को दिया जा रहा है। इस आभा कार्ड के साथ आप भारत के डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम का हिस्सा बन जाएँगे। आपका आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (एबीएचए) नंबर आपके स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से एक्सेस करने और साझा करने का एक परेशानी मुक्त तरीका है। इसमें भाग लेने वाले स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ आपकी बातचीत को सक्षम बनाता है, और आपके सत्यापित स्वास्थ्य पेशेवरों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से अपनी डिजिटल लैब रिपोर्ट, नुस्खे और निदान निर्बाध रूप से प्राप्त करने की अनुमति देता है। इसे आप राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (www.abha.abdm.gov.in) की वेबसाइट पर जाकर अपने आधार नंबर अथवा ड्राइविंग लाइसेंस नं. की जानकारी देकर बनाया जा सकता है, इसे आप प्ले स्टोर अथवा ऐप स्टोर से मोबाइल में आभा मोबाइल ऐप, आरोग्य सेतु ऐप या अन्य एवीडीएम सक्षम ऐप डाउनलोड करके भी बना सकते हैं। इसकी विस्तृत जानकारी टोल फ्री नं. १८००११४४७७ पर कॉल कर प्राप्त कर सकते है। कार्ड के खो जाने पर आप इसे (www.abha.abdm.gov.in) से डाउनलोड कर सकते हैं, यह डिजिटल रूप से स्वीकार्य है।

प्रादेशिक समाचार : बिहार

पूर्व उप मुख्यमंत्री को दी गई श्रद्धांजलि

१८ मई को पूर्वाह्न ११.०० बजे बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

श्रद्धांजलि सभा में सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष कमल नोपानी ने कहा कि स्वर्गीय सुशील मोदी एक स्वच्छ राजनीतिक, सच्चे राजनेता के साथ-साथ समाजसेवा से जुड़े हुए थे। उनके योगदान की भुलाया नहीं जा सकता। वे सहृदयी थे। सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष विनोद तोदी, महेश जालान, महामंत्री सदानन्द अग्रवाल, शशि गोयल, अंजनी सुरेका, ईश्वर गोयनका, रमेश सुरेका, संजय मोदी, अरुण बंका, सुनील मोदी सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित होकर बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री, पूर्व राज सभा सदस्य एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के माननीय सदस्य स्व. सुशील मोदी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात दो मिनट का मौन धारण कर परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस दारुण दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने अपने शोक संदेश में कहा कि श्री मोदी जी समाज ही नहीं, अपितु पूरे देश के गौरव थे। वह एक मिलनसार राजनीतिज्ञ थे। उनकी ईमानदारी, पारदर्शिता, लगन और सत्यनिष्ठा लोगों को हमेशा अनुप्राणित करता रहेगा। उनकी राजनीतिक, सामाजिक सक्रियता देश को सदा स्मरण रहेगा। शोक की इस घड़ी में सम्मेलन परिवार की संवेदनाएँ उनके परिवार और प्रसंशकों के साथ है। उनका असामयिक निधन देश व समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

विलियर्ड के वर्ल्ड मैच प्ले में रजत पदक

भारत के जाने-माने बिलियर्ड खिलाड़ी सौरभ कोठारी ने आयरलैंड में आयोजित वर्ल्ड मैच प्ले चैंपियनशिप २०२४ में रजत पदक जीता है। अनेकानेक बधाइयाँ!

प्रथम कोर समिति में संगठन विस्तार पर की गई विस्तृत चर्चा

श्री कृष्ण गोशाला, संबलपुर में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कोर समिति की वर्ष (२०२४-२६) की प्रथम बैठक संपन्न हुई। बैठक में सभी प्रांतीय विषय शिक्षा, स्वास्थ, सुधार, कार्यशाला, प्रोफेशनल फोरम, वैवाहिक, पंचायत, निर्माण, संगठन, सदस्यता, शाखा विस्तार, झलक, प्रांतीय पदाधिकारियों के दौरे, सेवा तथा अन्य विषय पर गंभीर चर्चा कर ठोस निर्णय लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने की। संबलपुर जोन उपाध्यक्ष मंगतू राम अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रांतीय महासचिव डॉ. सुभाष अग्रवाल ने अपनी रिपोर्ट पेश की।

संगठन विस्तार को लेकर बृहत कार्य योजना तय की गई तथा आगामी कार्यकारिणी की बैठक हेतु अंगुल शाखा के प्रस्ताव को पारित किया गया।

पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नकुल अग्रवाल, श्यामसुंदर अग्रवाल, अशोक जालान, गोविंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष मधु राम शर्मा, दीनदयाल केडिया, पवन सुल्तानिया, किशन अग्रवाल, दीपक गुप्ता, सचिव कमल पंसारी, विनोद अग्रवाल, रामेश्वर अग्रवाल, रोहित लिहाला, शैलेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मारोठिया, किशोर सजन भूत, स्वास्थ समिति से राजकुमार शर्मा, वैवाहिक संपर्क विनय अग्रवाल 'बंटी', सोशल मीडिया संतोष अग्रवाल, झलक पत्रिका विजय केडिया, महेश झाझरिया, कार्यशाला विकास सुल्तानिया, लीगल सेल जयदयाल अग्रवाल, सामाजिक सुधार समिति मोहनलाल अग्रवाल, पुरस्कार चयन मनोज जैन, प्रशासनिक तथा राजनीतिक समन्वय विष्णु केडिया, दिनेश जोशी, धीरज अग्रवाल, सामाजिक पंचायत चंद्र कुमार सराफ, वित्त समिति विजय मित्तल, प्रोफेशनल फोरम केशव पोद्दार, सदस्यता विस्तार सुभाष केडिया, अशोक चौबे, सुरेश अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल इस सभा में उपस्थित थे।

प्रादेशिक सम्मेलन की नई कार्यकारिणी गठित

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र २०२४-२६ की नई कार्यकारिणी का गठन कर लिया गया है। विगत दिनों हुए चुनाव में संबलपुर के दिनेश अग्रवाल को प्रांतीय अध्यक्ष चुना गया था। इसके बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने अपनी नई टीम सहित विभिन्न समितियों का गठन कर लिया है।

रूपरारोड के डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल महासचिव, कांटाबांजी के डॉ. कैलाशचंद्र अग्रवाल उपाध्यक्ष, गोडभगा के मधुसूदन शर्मा, अनगुल के पुरुषोत्तम अग्रवाल उपाध्यक्ष (संगठन), संबलपुर के सज्जन भूत कोषाध्यक्ष, संबलपुर के अरुण अजाडीवाल और कमल पंसारी सचिव (हैडक्वार्टर), भवानीपटना जोन के उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता और सचिव किशोर अग्रवाल, बलांगीर जोन के उपाध्यक्ष दीनदयाल केडिया और सचिव कटक जोन उपाध्यक्ष सुरेश कमानी और सचिव रोहित लिहाला, बरगढ़ जोन उपाध्यक्ष किशन अग्रवाल और सचिव सुनील अग्रवाल, कांटाबांजी जोन उपाध्यक्ष दिनेश कुमार अग्रवाल और सचिव धीरज अग्रवाल, राउरकेला जोन उपाध्यक्ष पवन सुल्तानिया और सचि शैलेंद्र मारोठिया, संबलपुर जोन के उपाध्यक्ष मंगतूराम अग्रवाल और सचिव रामेश्वर अग्रवाल, महिला समन्वय एवं सदस्यता समिति संबलपुर जोन के लिए सुनीता मित्तल, कटक जोन के लिए संगीता केजरीवाल, कांटाबांजी जोन के लिए ममता डालमिया, भवानीपटना के लिए सीमा अग्रवाल आदि हैं। सोशल मीडिया समिति में बजरंग छिमनका, संतोष अग्रवाल, मनोज शर्मा, ट्रेड एंड इंडस्ट्री समिति में प्रवीण गर्ग, बिनोद अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, रमेश साहा, दिनेश मोदी विशेष आमंत्रित सदस् रतनलाल अग्रवाल, लक्ष्मण महिपाल, राजू बरेलिया, श्यामसुंदर अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, किशन बालोदिया, सत्यनारायण जैन, मनोज अग्रवाल, राजेश शर्मा, आशीष चौधरी, राकेश अग्रवाल, नारायण अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, जोगेंद्र अग्रवाल, शंकर जैन, सलाहकार समिति के सदस्य मोहनलाल सिंघी, नकुल अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल, तुलसीराम जैन, धरमचंद मोदी, जितेंद्र गुप्ता, जुगलकिशोर सुल्तानिया, श्यामसुंदर अग्रवाल, संतोष पारिख मनोनित किए गए हैं। इसके अलावा कार्यकारिणी में सभी शाखा अध्यक्ष, प्रांतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन अध्यक्ष, प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष, संरक्षक सदस्य कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर शामिल रहेंगे।

अयोध्या तीर्थयात्रा संपन्न कर लौटे तीर्थयात्री

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के स्वर्णिम भारत दर्शनम कार्यक्रम के तहत गत तीन अप्रैल को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित श्री रामलला के दर्शन हेतु राज्य के विभिन्न शाखाओं से नब्बे तीर्थयात्रियों का दल अपनी तीर्थयात्रा संपन्न कर वापस आ गया। प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, डॉ. गोविंद अग्रवाल, मंगतू राम अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, श्यामलाल अग्रवाल, दीपक गुप्ता, शंभू बरेलिया आदि ने आयोजन के एक अलग ही गरिमा तथा अभूतपूर्व भव्यता प्रदान किया था।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

शिक्षा कोष की बैठक में कई प्रस्ताव पारित

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के शिक्षा कोष एवं झलक प्रकाशन ट्रस्ट की अहम बैठक सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय में प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शिक्षा कोष के चेयरमैन अशोक जालान ने शिक्षा कोष के गठन से अब तक का ब्योरा दिया। श्री जालान ने बताया कि अब तक १०० बच्चों को करीब १८ लाख का अनुदान दिया गया है। शिक्षा कोष में १३ लाख फिक्स्ड डिपोजिट तथा ३.२३ लाख रुपया सेविंग खाते में है।

वर्ष में अधिकतम पाँच प्रतिशत कैपिटल तथा ब्याज के रकम को अनुदान के माध्यम से छात्र अनुदान दिया जाता है। बैठक में सभी सदस्यों से समाज के अधिक से अधिक लोगों को सहयोग हेतु प्रेरित करने का अह्वान किया गया। बैठक में कई प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया, जिसमें पदेन प्रांतीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव तथा मंडलीय उपाध्यक्ष ट्रस्ट समिति के सदस्य थे। वर्तमान कोष की उपलब्धता को देखते हुए एक छात्र को अधिकतम ४० हजार रुपया वार्षिक शिक्षा अनुदान देने पर विचार हुआ। सीए श्याम सुंदर पोद्दार को शिक्षा कोष का ऑडिट तथा रिटर्न निःशुल्क करने पर सम्मेलन की तरफ से आभार ज्ञापित किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने सशक्त तथा शिक्षित समाज बनाने में अपना अहम योगदान देने की सहमति दी।

शत-प्रतिशत मतदान करवाने का लिया संकल्प

१० मई को संबलपुर अग्रसेन भवन में समाज के सभी संस्था सम्मेलन, महिला समिति, युवा मंच, बुधारजा नागरिक संघ, बड़ाबाजार युवक संघ, श्री श्याम मंदिर, हरियाणा नागरिक संघ तथा अन्य सभी संस्थाओं की सामूहिक बैठक हुई, जिसमें आगामी चुनाव में समाज द्वारा शत-प्रतिशत मतदान करवाने का निर्णय हुआ। बैठक में मतदान तक जागरण अभियान जारी रखने का संकल्प लिया गया। बोलचाल में भाई वोट डालनो है, तथा पहले मतदान फिर जलपान, सेल्फी विथ फैमिली आफ्टर वोटिंग पर चर्चा हुई। उक्त बैठक में सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक जालान, जोनल उपाध्यक्ष मंगतू राम अग्रवाल, युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पराग अग्रवाल, महासचिव प्रतीक अग्रवाल, महिला समिति की २६/२८ की महिला समिति की अध्यक्ष रीता अग्रवाल, डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल तथा सभी संस्थाओं के अध्यक्ष, सचिव, प्रांतीय पदाधिकारी तथा समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। एक कोर कमेटी प्रतीक अग्रवाल, गोपाल साहा तथा अन्य की बनाई गई।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

डूंगरीपाली शाखा की बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष रहे उपस्थित

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल तथा मंडलीय सचिव श्री बिनोद अग्रवाल ने डूंगरीपाली शाखा के बैठक में योगदान दिया, सभा की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष श्री बजरंग अग्रवाल ने की जिससे सचिव श्री अशोक अग्रवाल, सचिव श्री सावरिया अग्रवाल, सहसचिव श्री अनिल मित्तल कोषाध्यक्ष श्री अनिल अग्रवाल, युवा मंच प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राकेश अग्रवाल, विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे, सभा में अनेक विषय पर चर्चा हुई, तथा १० से अधिक नए सदस्यों ने सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण की तथा आसपास के अंचल से भी नए सदस्यों को जोड़ने का निश्चय हुआ।

सम्मेलन समाचार

सेल्फी प्वाइंट बना आकर्षण का केंद्र

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राजनीतिक चेतना उपसमिति के तहत सम्मेलन से संबद्ध पश्चिम बंग प्रांत की हुगली शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच की विभिन्न शाखाओं के सहयोग से यथा बेलूर में २ बूथों, हावड़ा में ४ बूथों, रिसड़ा में ४ बूथों एवं बड़ाबाजार (विवेक विहार) में १ बूथ पर २० मई को हुए लोकसभा चुनाव में हावड़ा व हुगली के ११ बूथों पर सेल्फी प्वाइंट लगवाया गया। सम्मेलन द्वारा लगाया गया सेल्फी प्वाइंट वोटरों के आकर्षण का केंद्र बना रहा; जहाँ सेल्फी प्वाइंट पर सम्मेलन, समाज के लोगों के साथ अन्य मतदाताओं ने वोट करने के बाद बड़ी संख्या में मोबाइल से तस्वीरें लेकर लोकतंत्र के इस उत्सव को यादगार बनाया। सम्मेलन की तरफ से प्रयास था, जिसकी लोगों ने काफी प्रशंसा की। इसकी परिकल्पना में राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, उपसमिति के चेयरमैन नंदलाल सिंघानिया, संयोजक पवन बंसल का सहयोग रहा तथा संयोजन का कार्य सज्जन बेरीवाल ने सम्हाला।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय सम्मेलन शाखाओं ने धूमधाम से मनाया 'मातृ दिवस'

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की बंधुत्व विकास समिति की ओर से सभी शाखाओं से १२ मई को मातृ दिवस का पालन करते हुए इस अवसर पर ७५ वर्ष से अधिक आयु की वरिष्ठ माताओं का घर-घर जाकर शाल/गोमछा तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनका आशीर्वाद ग्रहण करने तथा माँ के अमूल्य सेवा के प्रति सम्मान प्रकट करने का अनुरोध किया गया था। प्रदेशीय सम्मेलन की कई शाखाओं ने इस मुहिम को बड़े उत्साह और लगन से संपादित किया। इस तरह के कार्यक्रम सनातनी संस्कृति को और प्रगाढ़ करते हैं। 'मातृ दिवस' का पालन करने वाली शाखाएँ निश्चित रूप से बधाई के पात्र हैं। मातृ दिवस के कार्यक्रम को डिब्रूगढ़, मोरानहाट, शिमलगुड़ी, गोलाघाट, टियोक, तिताबर, धेमाजी महिला, सिलापथार, सिलापथार महिला, गुवाहाटी, गुवाहाटी महिला, विश्वानाथ चाराली महिला, बरपेटा रोड महिला, बंगाईगांव, बंगाईगांव महिला शाखा ने सफल बनाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से औपचारिक भेंट

मारवाड़ी सम्मेलन, बलांगीर के अध्यक्ष मनोज जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से औपचारिक भेंटकर बलांगीर के समस्याओं के बारे में अवगत कराया तथा एक ज्ञापन सौंपा।

मातृ दिवस समारोह

बालंगीर शाखा द्वारा मातृ दिवस के अवसर पर सभी बुजुर्ग माताओं का सम्मान किया गया, तथा जो कार्यक्रम स्थल पर आने में असमर्थ थे उनके घर जाकर उन्हें सम्मानित किया गया, शाखा अध्यक्ष श्री मनोज जैन, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री नकुल अग्रवाल तथा बहु संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे।

शाखा समाचार : गुवाहाटी ग्रेटर, पूर्वोत्तर

गुवाहाटी ग्रेटर शाखा का गठन

२७ अप्रैल को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी में मारवाड़ी सम्मेलन की चौथी शाखा के रूप में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी ग्रेटर शाखा का गठन किया। संस्थापक अध्यक्ष के रूप में दीपक पोद्दार को प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने शपथ पाठ कराया।

प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश कुमार चांडक ने संस्थापक सदस्यों को शपथ पाठ करवाते हुए इन पलों को अविस्मरणीय बताया। सनद रहे, इस शाखा में ३३ जोड़ों ने सदस्यता ग्रहण कर कपल शाखा के रूप में पूर्वोत्तर ही नहीं, अखिल भारतीय स्तर पर पहली कपल शाखा खोलने का गौरव प्राप्त किया है। कपल शाखा खोलकर धर्मपत्नी को अर्धांगनी का हक सम्मान स्वरूप देते हुए उनकी शक्ति का समायोजन डबल इंजन की ताकत की तरह संस्था को मिले तथा समाज लाभान्वित हो पर अपने विचार प्रकटकरते हुए अध्यक्ष दीपक पोद्दार ने अपने उद्बोधन में सबके सहयोग से सभी की आकांक्षाओं तथा सम्मेलन के उद्देश्यों के प्रति निष्ठा से दायित्व निभाने का आश्वासन दिया।

उन्होंने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष पद पर रवि सुरेका एवं प्रमिला पुगलिया, मंत्री के रूप में अरविंद सराफ, सहमंत्री अमित गोयल एवं आरती माथुर तथा कोषाध्यक्ष संतोष चोधरी के साथ कार्यकारिणी सदस्यों के नाम की घोषणा की। प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया ने शाखा पदाधिकारियों को तथा प्रांतीय उपाध्यक्ष 'मंडल-ई' सुशील गोयल ने कार्यकारिणी को शपथग्रहण करवाकर शाखा का विधिवत गठन किया तथा अपने उद्गार में सभी पदाधिकारियों के सम्मेलन के उद्देश्यों की जानकारी दी।

गुवाहाटी की तीनों सम्मेलन की शाखाओं ने भी अध्यक्षीय पदभार ग्रहण करने पर अपनी-अपनी शाखाओं की ओर से नवनियुक्त अध्यक्ष का अभिनंदन किया। समारोह में प्रांतीय कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, प्रांतीय सहमंत्री मनोज जैन (काला) व पंकज पोद्दार, प्रांतीय सहायक मंत्री माखनलाल अग्रवाल, गुवाहाटी शाखा मंत्री अशोक सेठिया, कामरूप शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, मंत्री संजय खेतान तथा गुवाहाटी महिला शाखा उपाध्यक्ष संगीता बड़जात्या व सांस्कृतिक मंत्री रश्मि जैन आदि की उपस्थिति रही।

महिला परिधि, बेंगलुरु

भूमिजा सीता, जिसमें धरती सा धैर्य है...? पर धरती भी जवाबी कार्रवाई करती है ना...

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि आप सभी के लिए प्रस्तुत करता है महाकाव्य में वर्णित पंचकन्या सीता की जीवन यात्रा।

बहुमुखी प्रतिभा की धनी अंजना चाण्डक जी के साथ...

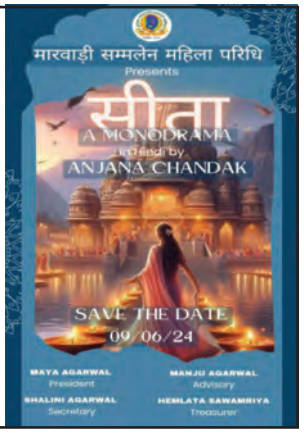

धनश्री नदी के किनारे का सफरनामा

– **बिरेन अग्रवाल,** प्रांतीय संयुक्त मंत्री

विशेष : पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सुनयोजित तरीके से दूरदराज में फैले हुए क्षेत्रों में शाखा विस्तार का कार्य सफलता के साथ कर रही है। प्रस्तुत है उनका लगन...

१४ अप्रैल २०२४ को मोरान से सुबह ६ बजे अपनी कार से सत्यनारायण खाखोलिया, बिमल अग्रवाल, बिरेन अग्रवाल असम के गोलाघाट जिले के धनसिरी महकुमा में बरपथार शहर पहुँचे। वहाँ गुवाहाटी से हमारे आग्रह करने पर मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल रात्री रेल द्वारा अपने बरपथार घर पहुँचे। हमलोग वहाँ उनके घर रुके। वहाँ से हमलोग अशोक जी को साथ लेकर सरुपथार पहुँचे। सरुपथार शहर में शाखा गठन के लिए पिछले २ साल से प्रयास चल रहा था। इन दिनों वहाँ के समाज के कुशल गिनोड़िया, पवन बजाज, खियालीराम सुरेका, दिनेश भिलवाड़ीया, ललित बगड़िया, जयंत हरलालका से निरंतर संपर्क स्थापित किया जा रहा था। मारवाड़ी सम्मेलन की एक सभा आयोजित की गई।

हमारी मोरान शाखा के विकास पंसारी इन दिनो सरुपथार के आस-पास अपने कारोबार के सिलसिले में वहाँ अस्थायी कैंप किए हुए हैं। वे सरुपथार शहर से १५ कि.मी. की दूरी में बसा उरियामघाट नाम का एक छोटा सा शहर जहाँ मारवाड़ी परिवार के २० घर हैं, वहाँ एक शाखा गठन की पूरी तैयारी कर रखे थे।

हम सभी सरुपथार भवन में जलपान ग्रहण करके उरियामघाट गए। गोलाघाट के प्रदीप नाउका, जगदीश शर्मा, ओमप्रकाश गोयल भी उरियामघाट पहुँचे। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा तथा प्रांतीय कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल भी उरियामघाट पहुँचे। २५ आजीवन सदस्य के साथ उरियामघाट शाखा का गठन किया गया। अशोक बगड़िया को अध्यक्ष तथा ललित मिश्रा को सचिव का दायित्व दिया गया।

सरुपथार में ४५ सदस्य को आजीवन सदस्य बनाया गया। सरुपथार में दिनेश भिलवाड़िया को अध्यक्ष तथा जयंत हरलालका को सचिव का भार दिया गया। हमारी टीम सरुपथार जब पहुँची तो वहाँ पहले से समाज के १०० के करीब समाज-बंधु तथा मातृ शक्ति उपस्थित थी। सरुपथार टाउन कमिटी की चेयरमैन ऊषा भिलवाड़िया भी आज की सभा में उपस्थित थीं।

कैलाश काबरा, अशोक अग्रवाल, सी.ए. सत्यनारायण खाखोलिया, बिमल अग्रवाल तथा मैं, बिरेन अग्रवाल आज सरुपथार के भवन मे ठहरे। रात्री भोजन ग्रहण करके हमलोग वहाँ के समाज के कई लोगों के साथ चौपाल बैठक किए।

रात्री १० बजे हम वहाँ के भवन के कमरे में रात्रि विश्राम किए। दूसरे दिन सुबह हम गोलाघाट जुगल किशोर मालपानी के आवास में उनसे मुलाकात करके तिताबर आए। देरगाँव से प्रदीप खदड़िया तथा जोरहाट से मंडलीय उपाध्यक्ष माखन गट्टानी भी तिताबर आए। तिताबर मारवाड़ी पंचायत ठाकुरवाड़ी में वहाँ के दिलीप जालान, बिनय जाजोदिया, नारायण गट्टानी शाखा गठन की तैयारी पहले से कर रखे थे। हमलोग पिछले २ साल से वहाँ के समाज के साथ संपर्क में थे। निरंतर फोन से संपर्क साधकर आज की सभा आयोजित की गई। सभा में सर्व सम्मति से नारायण गट्टानी को तिताबर शाखा का अध्यक्ष तथा बिनय जाजोदिया को सचिव का दायित्व सौंपा गया। २५ आजीवन सदस्य शाखा के साथ जोड़कर शाखा गठन किया गया।

उसके बाद हमलोग मरियाणी पहुँचकर वहाँ की शाखा की नई समिति बनाने के लिए चर्चा किए। जल्द ही वहाँ नई समिति का गठन हो जाएगा जैसा आश्वासन वहाँ से हमें मिला है।

शाखा समाचार : बंगाईगांव, पूर्वोत्तर

प्रेस क्लब के सदस्यों का किया गया सम्मान

पूर्वोत्तर प्रादेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की बंगाईगांव शाखा द्वारा २९ अप्रैल को बृहत्तर बंगाईगांव प्रेस क्लब के सदस्यों को सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम मंच संचालन करते हुए शाखा के सह सचिव महेश कुमार अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात प्रेस क्लब के अध्यक्ष रंजीत कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में मारवाड़ी सम्मेलन को ऐसा कार्य करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रेस क्लब के सचिव प्रशांत राय एवं सदस्य धीरत चक्रवर्ती ने भी समारोह को संबोधित किया एवं मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। इस मौके पर सम्मेलन की तरफ से मंडल 'ज' के प्रांतीय उपाध्यक्ष सरजीत सिंह भारी के अलावा किशोर जैन, मनोज सरावगी, गोपाल हरलालका, राम अवतार पारीक, धर्मू लूनिया, विनीत सुरेखा आदि सदस्य उपस्थित थे।

शाखा समाचार : कानपुर, उत्तर प्रदेश

अयोध्या धाम यात्रा

मारवाड़ी सम्मेलन कानपुर द्वारा अयोध्या धाम यात्रा संजय वन किदवई नगर से प्रारंभ हुई। जहाँ लोकसभा प्रत्याशी रमेश अवस्थी ने झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। मारवाड़ी सम्मेलन कानपुर के शाखाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि मतदान अति आवश्यक है इसे हर व्यक्ति को जरूर देना चाहिए। महामंत्री प्रदीप केडिया ने बताया कि हमारे प्रभु रामलला अयोध्या में विराजमान हुए हैं जिनके दर्शन के लिए सभी अति उत्साह के साथ अयोध्या धाम जा रहे हैं। इस यात्रा में प्रांतीय अध्यक्ष श्रीगोपाल तुलस्यान और संरक्षक सीताराम मित्तल भी सम्मिलित हुए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालकृष्ण देवड़ा, उपाध्यक्ष आदित्य पोद्दार, अशोक अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, विनोद सांगल एवं महिला शाखाध्यक्ष आशा केडिया, साधना देवड़ा, विनीता अग्रवाल, शिवानी सांगल आदि विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

शाखा समाचार : सुरुपथार, पूर्वोत्तर

पालिका शौचालय, सरुपधार सम्मेलन के जिम्मे

सरुपथार नगरपालिका द्वारा सरुपथार कॉलेज रोड स्थित निर्मित सार्वजनिक शौचालय की देखरेख की जिम्मेदारी अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सुरुपथार शाखा को सौंपी गई है। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में सरुपथार नगरपालिका की अध्यक्ष ऊषा अग्रवाल, कार्यकारी अधिकारी निकिता बरूवा, उपाध्यक्ष जगन्नाथ फूकन, जूनियर अभियंता उमेश बोरो की उपस्थिति में यह जिम्मेदारी सम्मेलन के अध्यक्ष दिनेश भिलवाड़िया, उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सचिव जयंत हरलालका, नागरमल पारीक, मधु बगड़िया और दामोदर बजाज को सौंपी गई। शौचालय को मारवाड़ी सम्मेलन की सरुपथार शाखा के बनवारीलाल बगड़िया चैरिटेबल ट्रस्ट की मदद से सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा।

शाखा समाचार : बरगढ़, उत्कल

परशुराम जयंती पर शरबत वितरण

मारवाड़ी सम्मेलन बरगढ़ की तरफ से लेंगू मिश्र चौक पर शर्बत वितरण किया गया, जिसमे मारवाड़ी युवा मंच की तरफ से पूर्ण सहयोग किया गया। भगवान परशुराम जी की जयंती के उपलक्ष में दो रैलियों को शर्बत पिलाकर स्वागत किया गया। जिसमे करीब २ हजार लोगो को शरबत पिलाया गया। कार्यक्रम को मुख्य रूप से शाखा अध्यक्ष जगदीश गोलपुरिया के नेतृत्व में सरोज सिंघल, प्रेमचंद साँवड़िया, रतन अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष किशन लाल अग्रवाल, मनोज लाठ, अजय रेखानि, राकेश झंवर, बिजय अग्रवाल, किशोर अग्रवाल, जप्पू लाठ, शाखा सचिव महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, विक्रम शर्मा ने उपस्थित होकर सेवा प्रदान किये। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष अभिषेक गोलपुरिया को सम्मेलन की ओर से प्रांतीय उपाध्यक्ष किशन लाल अग्रवाल ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापन किया।

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

Yours Tastefully
Anmol
TM
Enjoy Great Taste with Good Health
FruitBix
Original Taste of Bakery
dream LITE
Marie Plus
With Best Compliments from:
Anmol Industries Ltd.
BISCUITS, CAKES & COOKIES
BISCUITS
For your comments, complaints and trade related queries write to us at **info@anmolindustries.com**
or call us at **1800 1037 211** | **www.anmolindustries.com** | Follow us on:

प्रादेशिक समाचार : गुजरात

स्थापना दिवस के अवसर पर पौधारोपण

गुजरात स्थापना एवं मजदूर दिवस के शुभ अवसर पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, सूरत जिला इकाई के द्वारा 'पर्यावरण वचाओ कार्यक्रम' के तहत आशीर्वाद एवेन्यू सोसायटी में पौधारोपण किया गया। अध्यक्ष ने सभी पधारे हुए लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि 'मतदान हमारा अधिकार भी है और कर्तव्य भी' इसका हमें शत-प्रतिशत पालन करना है और आसपास के लोगों को जागरूक कराना है। उन्होंने सोसायटी से शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की। कोरपोरेटर कन्नू भाई पटेल ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। सोसायटी अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कुछ समस्याओं से अवगत कराया, जिसका श्री पटेल ने समाधान करवाने का आश्वासन दिया। मजदूर दिवस के अवसर पर माली का सम्मान गुजरात प्रदेश अध्यक्ष गोकुल चन्द बजाज के द्वारा किया गया। मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन जिला अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, कन्हैयालाल वैद, कार्यक्रम संयोजक सूर्यकांत अमृत, राजेंद्र अग्रवाल, सूनील अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शाखा समाचार : सूरत, गुजरात

बाल भोग प्रसाद का वितरण

१४ मई को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, सूरत जिला ईकाई द्वारा हेमंत गर्ग के सहयोग से श्याम मंदिर, सूरत धाम पर बाल भोग प्रसाद के वितरण की सेवा की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, सचिव हेमंत गर्ग, कार्यक्रम संयोजक राजा अग्रवाल, विजय सरावगी, संतोष बजाज, विशाल की विशेष उपस्थिति रही।

अक्षय तृतीया पर शर्बत, प्रसाद एवं तुलसी पौधे का वितरण

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत जिला इकाई के द्वारा श्याम मंदिर सूरत धाम पर शर्बत प्रसाद एवं तुलसी पौधे का वितरण किया गया, जिसमें गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत जिला अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, सचिव हेमंत गर्ग, राजा अग्रवाल, श्याम गोयल, निखिल गोल, मनोज अग्रवाल, राजीव गुप्ता, रमेश भाई, महेंद्र जैन एवं काफी संख्या में सदस्यगण उपस्थिति रहे।

शाखा समाचार : देवघर, झारखंड

साड़ी का वितरण का कार्यक्रम

देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा २ अप्रैल को मधुपुर के सिमरा प्रखंड के दोगी मथुरापुर में कोलकाता निवासी ललीत हरलालका के सौजन्य से बड़ी संख्या में महिलाओं के बीच साड़ी का वितरण किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन के प्रमंडलीय उपाध्यक्ष शिवकुमार सर्राफ ने बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा हमलोग लगातार प्रत्येक महीने कुछ-न-कुछ सेवा कार्य करते रहते हैं। जिलाध्यक्ष विमल खेतान ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन सेवा भाव के कार्य हमेशा से करता रहा है। साड़ी वितरण के कार्यक्रम में शिव सर्राफ, विमल खेतान, सचिन सुल्तानिया, प्रमोद खोवाला, अनील झुनझुनवाला, पंकज मोदी, राहुल मिश्रा, सौरभ सिंह, बासुदेव यादव एवं अन्य समाज-बंधु उपस्थित थे।

शाखा समाचार : रायगड़ा, उत्कल

रायगड़ा शाखाध्यक्ष का निर्वाचन

रायगड़ा शाखा की एक सभा में आगामी सत्र २०२४-२६ के लिए मांगेलाल जैन अध्यक्ष, राम अवतार अग्रवाल सचिव तथा श्री मुकेश जैन कोषाध्यक्ष चुने गए।

शाखा समाचार : कटक, उत्कल

शीतल जल प्याऊ का लोकार्पण

२३ अप्रैल को शेख बाजार पूजा समिति के सचिव किशेर बेहरा द्वारा ठंडे पेयजल प्याऊ का लोकार्पण किया। ठंडे पेयजल प्याऊ की मशीन उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, कटक शाखा के पूर्व अध्यक्ष सुरेश कमानी, दिनेश जोशी, सुभाष केडिया, निर्मल पुरबा, विनोद कॉवटिया, कमल सीकरिया, पदम कुमार भावसिंहका द्वारा दान दिया गया है।

उपलब्धियाँ

आंध्र प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष महेंद्र तातेड़ के जुड़वा सुपुत्र प्रियम व प्रथम तातेड़ का कैलिफोर्निया, यू.एस.ए. के सैन जोस सिटी कॉलेज में प्रियम को छात्र शासी निकाय का अध्यक्ष एवं प्रथम को शासी निकाय का छात्र ट्रस्टी के रूप में चुना गया है। प्रियम व प्रथम को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई!

ज्योति जाजोदिया की सुपुत्री सृष्टि को लंदन में फैकल्टी ऑफ ह्यूमिनिटीज़ रैप ऑफ द ईयर २०२४ पुरस्कार मिला। सृष्टि को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ!

खरियार रोड निवासी गौतम जैन की सुपुत्री लब्धी जैन ने UPSC के IFS में पूरे देश में 36वाँ रैंक हासिल कर उत्तीर्ण किया है।

लब्धी जैन को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ!

नगांव शहर के निवासी सुचिता - सुरेश खेतावत के कनिष्ठ सुपुत्र सिद्धांत खेतावत का प्रतिष्ठित सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) मुंबई में तीन स्तरीय परीक्षा के बाद असिस्टेंट मैनेजर के रूप में चयन हुआ है।

सिद्धांत को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ!

योगेश गाड़ोदिया की सुपुत्री विधि गाड़ोदिया ने बारहवीं कक्षा की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में ९७.८ प्रतिशत अंक हासिल किया है। विधि के उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ!

आशीष कुमार मंडावेवाला की सुपुत्री अक्षिता मंडावेवाला ने १०वीं कक्षा की आईसीएसई बोर्ड में ९६.२ प्रतिशत अंक हासिल किया है। अक्षिता के उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ!

हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

शाखा : बंगाईगाँव महिला शाखा, पूर्वोत्तर

मंजु दूगड़ का जन्म पश्चिम बंगाल के कूचबिहार शहर में हुआ। पिताजी का नाम श्री कन्हैयालाल गहारा व माता स्व. भंवरी देवी गहारा हैं। आपको बचपन से ही समाज सेवा, खेलकूद और संगीत का शौक था। आपकी गहरी रुचि गीत गाने और लिखने में है। अभी आप तेरापंथ महिला मंडल की संरक्षिका का पदभार संभाल रही हैं। इससे पहले इस संस्था में तीन टर्म के अध्यक्ष का भार संभाल चुकी हैं। आपने मंत्री, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष का भी भार संभाला है। अभी आप स्थानीय कई संस्थाओं से जुड़ी हुई हैं। आपने अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन में अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष का दायित्व संभाला है। आप आई. डब्ल्यू क्लब और एन. जी. ओ. महिला शाखा की भी सदस्य हैं। अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन के बंगाईगाँव महिला शाखा की अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं।

शाखा : नाहरलगन-ईटानगर महिला शाखा

नीलम जैन का जन्म ७ नवंबर १९६७ को नागौर में हुआ। आपके पिता श्री जीवराज जैन व माता श्रीमती सुमित्रा जैन हैं। आपने स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त की है। आपके पति मुकेश कुमार जैन एक सामाजिक कार्यकर्ता के साथ ही स्टील-सीमेंट के व्यवसाय से जुड़े हैं। गत ११ फरवरी को मारवाड़ी सम्मेलन की आम सभा मे सर्व सम्मति से नव गठित मारवाड़ी सम्मेलन नाहरलगन-ईटानगर शाखा की संस्थापक अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुई हैं।

होली व राजस्थान दिवस का प्रोग्राम बहुत धूमधाम से गवर्नर हाउस में मनाया है उसी तरह हर कार्य हर्षोल्लास से आगे बढ़ चढ़कर कर सकेंगे यह हमारा उद्देश्य रहेगा।

शाखा : जागीरोड शाखा, पूर्वोत्तर

प्रमोद कुमार गौलछा का जन्म २५ जनवरी १९७३ को दिल्ली में हुआ। आपके पिता स्व. तेजकरण गौलछा व माता श्रीमती विमला देवी गौलछा हैं। आपका पैतृक गाँव राजस्थान के लाडनूं में हैं। आपने बंगाईगाँव कॉलेज से बीकॉम (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की। आपने समाजसेवा राकेश सक्सेना मेमोरियल सोसाइट ी के संस्थापक सदस्य के रूप में शुरु की। आपने बंगाईगाँव में 'नेचर्स बीकॉन के सदस्य के रूप में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया हैं। आप १६ वर्ष की आयु में लियो क्लब ऑफ बंगाईगाँव के संस्थापक सदस्य बन गए थे। इस संस्था के आप शाखा कोषाध्यक्ष, शाखा सचिव, शाखा अध्यक्ष, लियो जिला कौंसिल सदस्य के दायित्व को बखूबी निभाया। जागीरोड मारवाड़ी सेवा समिति के कार्यसमिति सदस्य के रूप में आप युवाओं की आवाज बने। जागीरोड में मारवाड़ी युवा मंच के आप संस्थापक सदस्य व चार कार्यकाल तक शाखाध्यक्ष रहे। आपको पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच की कार्यकारिणी में भी सेवा प्रदान करने का मौका मिला। आगे आपने प्रांतीय उपाध्यक्ष (मण्डलीय) के दायित्व का निर्वहन भी किया। अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन जागीरोड शाखा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

आलेख

हमारे संस्कार – समाज के आधार

– डॉ. दिनेश कुमार जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

'संस्कार' एक तत्सम शब्द है जिसका मूल अर्थ है – शुद्धीकरण। सीधे शब्दों में संस्कार, वे धार्मिक/सामाजिक कृत्य हैं जो किसी व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं अध्यात्मिक दृष्टि कोण से अपने समुदाय या समाज के योग्य बनाते हैं। किंतु इससे आगे बढ़कर, हमारी भारतीय मान्यताओं के अनुसार, किसी व्यक्ति में अभीष्ट गुणों को लाना भी संस्कारों का उद्देश्य है।

संस्कार हमारी महान संस्कृति से हमें मिला एक वरदान है। बाल्यकाल से ही हमारे माता-पिता, परिवार, गुरुजन और समाज हमारे व्यक्तित्व को संवारने के लिए हम में कुछ विशिष्ट गुण लाने का प्रयास करते हैं। जिस प्रकार सोना तपकर और हीरा तरासे जाने पर बहुमूल्य बनते हैं; गेहूँ पिस कर जीवनदाता बन जाता है, उसी प्रकार संस्कारयुक्त, गुणवान मनुष्य स्वयं के, परिवार के, समाज के एवं राष्ट्र के प्रति एक सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करता है। वह विधिक एवं सामाजिक बंधनों को स्वीकार करता है और उनकी परिधि में कार्य करता है जो किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वामी विवेकानंद के अनुसार, संस्कारों से ही व्यक्ति के चरित्र का निर्माण होता है और इनकी कमी से चरित्रहीनता आती है। महर्षि अरविंद ने कहा – संस्कार जीवन के अस्तित्व के साथ ही आरंभ होते हैं और मानव के सही पथ पर अग्रसर होने में एक अहम भूमिका निभाते हैं।

अगर हम मारवाड़ी संस्कारों के परिप्रेक्ष्य से देखें तो हमारे विशिष्ट गुणों में उल्लेखनीय हैं – अहिंसा, सहनशीलता, साहस, ईमानदारी, ईश्वर पर विश्वास, राष्ट्रप्रेम, कर्मयोग, सहयोग एवं दानशीलता, संयुक्त परिवार, पारिवारिक/सामाजिक दायित्वों का निवर्हन, सात्विक आहार आदि। विरासत में मिले अपने इन्हीं गुणों के बल पर मारवाड़ी समाज देश के कोने-कोने में और विदेशों में भी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सफलता का परचम लहराने में सफल हुआ।

महाकवि भास ने अपने सुप्रसिद्ध नाटक 'स्वप्नवासवदत्तम' में लिखा है – 'कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना। चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः।।' इसका अर्थ है – 'समय के साथ-साथ संसार परिवर्तनशील है। पहिये की अरों (तीलियाँ, जो ऊपर-नीचे आती-जाती रहती हैं) की तरह भाग्य भी निरंतर बदलता रहता है।' समय के साथ, जहाँ हमारे समाज में कई सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं, वहीं संस्कारों का ह्रास तथा सामाजिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्रों में मानवीय मूल्यों का पतन भी स्पष्ट देखने को मिला है। संयुक्त परिवार की व्यवस्था धाराशायी होने के कगार पर है; वैवाहिक संबंध-विच्छेद एक आम घरेलू समस्या हो गई है; बुजुर्गों के सम्मान में लगातार कमी आ रही है – राम और श्रवण कुमार के देश में अनाथाश्रम फल-फूल रहे हैं; आडंबर और वैभव-प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा चरम पर है। आचार-विचार-आहार, वेशभूषा, भाषा, हमें अपनी नहीं, दूसरे की अच्छी लगने लगी है। अगर कारणों पर विचार करें तो दोषपूर्ण शिक्षाप्रणाली, पाश्चात्य सभ्यता का अंधानुकरण, दृष्टिहीन प्रतिस्पर्धा, टीवी चैनलों एवं सोशल मीडिया के अपप्रचार आदि ने अत्यंत प्रतिकूल एवं दूरगामी प्रभाव डाला है।

मारवाड़ी संस्कारों और विशिष्ट गुणों का दिनानुदिन क्षरण चिंतनीय है। यह हर्ष का विषय है कि हमारी राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा इसके स्थापना काल से ही संस्कार-संरक्षण को एक महत्वपूर्ण सामाजिक विषय मानते हुए इसे समुचित गुरुत्व दिया गया है। इस विषय पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और हमारे मासिक मुखपत्र 'समाज विकास' में भी इस संबंध में आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। तथापि, इस दुष्कर समस्या के निराकरण में हमें स्वयं, परिवार एवं समाज के हर तबके की सहभागिता अनिवार्य होगी।

स्वयं के आचरण पर नियंत्रण और अपने बालक-बालिकाओं, किशोर-किशोरियों तथा युवक-युवतियों को संस्कारों के प्रति सजग-सचेत रखना आज समय की माँग है। सुसंस्कृत युवा पीढ़ी ही एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकती है और कुरीतियों पर अंकुश लगा सकती है। संस्कार वह प्रकाश है जिसको समझ कुरीतियों का अंधकार तिरोहित हो जाता है। संस्कारों की पवित्र अग्नि सभी दुराचरणों का समूल नाश करने में समर्थ है।

हास्य

खळखळी

चिंत्या

आंगणै मांय बैठ्यो अखबार बांच रैयो हो, कोरोनाळै टीकै रै दुस्प्रभाव री खबर ही। लिख्योड़ो हो, लाखां में कोई एक माथै, दुस्प्रभाव देखण में आवै। थोड़ी बेचैनी कम होई, चलो, लाखां में कोई एक नै खतरो है, आपणो कांई लेवै।

कमरै मांय गयो तो घरवाळी आपरी कोई सहेली नै कैय रैयी ही– 'म्हारै तो ए लाखां में एक है।' आ सुण'र म्हारी घबराहट पाछी बधगी।

बिना सुवारथ

कीं लोग धन खातर लड़ै। कीं लोग धरम रै नाम माथै अर कीं लोग जात रै नाम माथै। बस धणी-लुगाई ई दो जीव ऐड़ा होवै जिका नि:स्वार्थ भाव सूं बिना किणी वजै रै भी लड़ लेवै।

आज तांई कोनी बताई

डॉ. चेतन स्वामी

म्हारी मां आज तांई म्हनैं बा बात कोनी बताई जिकी बा म्हनै कह्या करती ही कै घरै आ पछै तन्नै बतास्यूं।

बाळ ब्याव

बाळ ब्याव तो फैरूं ई ठीक हो पण अबै तो ब्याव तांई बाळ ई कोनी बंचै।

पइसैवाळां री बात

गांव री दो लुगायां में बातचीत चाल रैयी ही - पैली बोली - बैन सुण्यो है आपारै गांव रो सरपंच कोमा में चल्यो गयो। दूजोड़ी कैयो - हां बैन बै पइसैवाळा है, कठै भी जा सकै।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री प्रदीप अग्रवाल कादोगांव, बी.बी. भरतपुर, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** पो. सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्रीमती बबिता अगरवाल** सालमारी, थाना-आजमनगर, मेडिकल हॉल, कटिहार, बिहार	**श्रीमती बबिता देवी** स्टेशन रोड, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री बजरंग लाल अगरवाल** बिहार
श्री बजरंग प्रसाद शर्मा मे. मंजू श्री, शाहपुर पाटारी, समस्तीपुर, बिहार	**श्री बलराम अग्रवाल** पेट्रोल पंप रोड, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री बामशंकर अगरवाल** बिहार	**श्री बनवारी लाल पोद्दार** मे. पूनम वस्त्रालय, टावर चौक, दारभांगा, बिहार	**श्री बनवारी लाल अग्रवाल** महेशखुंत बाजार, वार्ड नं.-१८, खगरिया, बिहार
श्री बासुकी कुमार सोंथलिया पुरानी बाजार, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री भारत कुमार सौरभ** मे. सोनू गारमेंट्स, हरिद्वार चौक, मुरलीगंज, मधेपुर, बिहार	**श्री भास्कर जोशी** जोशी भवन, बाटा गली, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री विजय कुमार अगरवाल** मे. श्री बालाजी सीड्स, नेहरू रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री बिजय कुमार अगरवाल** बिहार
श्री बिमल अगरवाल नेहरू रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री बिमल कुमार जोशी** स्टेशन रोड, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री बिमल कुमार पोद्दार** बिहार	**श्री बिमल यादुका** भवानीपुर राजधाम, पुर्णिया, बिहार	**श्री विनय कुमार अगरवाल** मस्तान चौक के पास, किशनगंज, बिहार
श्रीमती बिंदु चौधरी पुरैनी बाजार, वार्ड नं.-५/१३, मधेपुरा, बिहार	**श्री बिनोद कुमार अगरवाल** मस्तान चौक के पास, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्रीमती चंदा अग्रवाल** मे. अग्रवाल आयरन स्टोर, मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री चंदन चौधरी** दुर्गापुर, अग्रवाल चौक, कटिहार, बिहार	**श्री चंदन कुमार अग्रवाल** मेन रोड, हनुमान मंदिर के पास, मधेपुरा, बिहार
श्री चिराग केडिया मे. दरभंगा मशिनरी, मिर्जापुर, दरभंगा, बिहार	**श्री चिरंजीव कुमार खेमका** मे. नीरज ट्रेडिंग क., सोनाली चौक, पुर्णिया, बिहार	**श्रीमती चुन्नी कुमारी** मारंची उजागर, हसनपुर सुगर मील, समस्तीपुर, बिहार	**श्री चुन्नी लाल जैन** मे. मुस्कान ड्रेसेस, पो.-बिषनपुर, किशनगंज, बिहार	**श्रीमती दीपा देवी** सुगर मील चौक, हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार
श्री दीपक अगरवाल मील रोड, वार्ड नं.-०८, कलागली,गांसोत्रा, खगरीया, बिहार	**श्री दीपक कुमार** मे. मारुती सेल्स, राज कंपाउंड, बेतिया, बिहार	**श्री दीपक कुमार सोनी** ऋद्धि-सिद्धि कॉलोनी, बड़ाबाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री धीरज कुमार** वार्ड नं.-९, गौल बाजार, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अगरवाल** मे. सांवरिया एग्रो टेक, सालमारी, कटिहार, बिहार
श्री दिलीप कुमार चौधरी मे. कुबेर इंटरप्राइजेज, मार्केटिंग यार्ड, पूर्णिया, बिहार	**श्री दिलीप कुमार कानोड़िया** मे. दीपक किराना, मील रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री दिलीप कुमार केडिया** भवानीपुर राजधाम, पूर्णिया, बिहार	**श्री दिलीप कुमार सराफ** एन.एच.-३१, मार्केटिंग वार्ड के पास, पूर्णिया, बिहार	**श्री दिलीप कुमार टिबड़ेवाल** बिहार
श्री दीन दयाल अग्रवाल मे. मोहनलाल नंद किशोर, सोमबारी हाट, सलमारी, कटिहार, बिहार	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** मेन रोड, वाणिज्य धर्मशाला के पास, मधेपुरा, बिहार	**श्री दिनेश कुमार सुल्तानिया** मेन रोड, नवादा, बिहार	**श्री दीपक कुमार यादुका** भवानीपुर, राजधाम, पूर्णिया, बिहार	**श्रीमती डाली अगरवाल** मे. नीरज वस्त्रालय, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार
श्रीमती डाली कुमारी मे. आनंद टेक्सटाइल्स, पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री दुर्गा प्रसाद अगरवाल** मस्तान चौक के पास, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री दुर्गेश शर्मा** मे.महर्षी स्टोर, इन्द्र चौक, सलमारी, कटिहार, बिहार	**श्री गणेश कुमार अगरवाल** विनोदपुर, महिला कॉलेज रोड, कटिहार, बिहार	**श्री गणपति कुमार सुल्तानिया** गणपति स्टोर, मेन रोड, मधेपुरा, बिहार
श्री गौरव गोविंद काली बाड़ी रोड, विनोदपुर, कटिहार, बिहार	**श्री गौरव कुमार अग्रवाल** नेहरू रोड, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री गौरव कुमार गोयल** मे. महावीर स्टोर्स, सुभाष चौक, समस्तीपुर, बिहार	**श्री गौरव राज** नाका नं.-१, नगर परिषद, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री गिरधारी डोलिया** मोहन भंडार, ओल्ड बैंक रोड, नवादा, बिहार
श्री गिरधारी लाल अग्रवाल मे. शिव पार्वती ऑयल मिल्स, सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री गोपाल भगेरिया** सेंट्रल बैंक रोड के पास, मधुबनी, बिहार	**श्री गोपाल जोशी** पुरानी बाजार, गांधी नगर, भागलपुर, बिहार	**श्री गोपाल कुमार जोशी** वार्ड नं.-१०, बी.आई.पी. रोड, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री गोपाल कुमार साह** गर्ल्स हाई स्कूल के पास, त्रिवेणीगंज, बिहार
श्री गोपाल कुमार टेकरीवाल चौधरी टोला, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री गोपाल कुमार यादुका** भवानीपुर राजधाम, पूर्णिया, बिहार	**श्री गोपी कुमार तंबाकुवाला** मे. विश्वनाथ तंबाकुवाला एंड संस, कटिहार, बिहार	**श्री गौरव कुमार डोलिया** मछुआ पट्टी, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री गौरव कुमार जालान** मे. मनोज वस्त्रालय, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार
श्री गौरी शंकर साह गर्ल्स हाई स्कूल के पीछे, त्रिवेणीगंज, बिहार	**श्री गुड्डू अग्रवाल** कालिका पथ, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री हरिश गाड़ोदिया** मस्तान चौक के पास, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री हर्ष कुमार सराफ** वार्ड नं.-८, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री हर्षित सोंथलिया** वार्ड नं.-१३, कहलगाँव भागलपुर, बिहार
श्री हेमंत कुमार अग्रवाल वार्ड नं.-०५, सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री हिमांशु केजड़ीवाल** पुरानी चौक, बक्सर, बिहार	**श्री जगदीश चंद** कुबेर कंपलेक्स, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री जगदीश प्रसाद अगरवाल** कचहरी रोड, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री जगदीश प्रसाद अगरवाल** शिव मंदिर रोड, धीरवरी पाड़ा, किशनगंज, बिहार
श्री जय प्रकाश यादुका भवानीपुर राजधाम पुर्णिया, बिहार	**श्री जय कुमार पुरोहित** गुदारी बाजार, पोस्ट ऑफिस के पास, मधेपुरा, बिहार	**श्री जय प्रकाश केजरीवाल** भाईजी ठाकुरबाड़ी गली, मेन रोड, खगरिया, बिहार	**श्री जीतेंद्र कुमार अगरवाल** विनोदपुर, पावर हाउस रोड, कटिहार, बिहार	**श्री जीतेंद्र शर्मा** गणपति स्टोर, पूर्णिया गोला चौक, मधेपुरा, बिहार
श्री ज्योति देवी मालहीपुर रोड, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्रीमती ज्योति केडिया** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्रीमती ज्योति कुमारी** मे. अग्रवाल आयरन स्टील, मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्रीमती कबिता देवी** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री कैलाश चंद्र राठी** वार्ड नं.-१, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल पो. सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्रीमती कल्पना अगरवाला** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री कमल किशोर सराफ** मसराफ बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती कामिनी अगरवाल** मारवाड़ी स्कूल गली, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री कमलेश कुमार बरबरिया** मे. महावीर श्री, हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार
श्री कन्हैया कुमार वारिसलीगंज, नवादा, बिहार	**श्री कन्हैया शर्मा** श्यामभवी बजाज, ईस्ट चंपारण, बिहार	**श्रीमती करिश्मा अगरवाला** मे. राहुल एंटरप्राईज, सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्रीमती कविता अगरवाल** नेहरू रोड, किशनगंज, बिहार	**श्रीमती कविता चौधरी** चौधरी लेन, सब्जी मांडी के पास, मधुबनी, बिहार

YOUR TRUSTED WEALTH PARTNER

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH

OUR CORE VALUES

Pure Broking

P — PROFIT WITH PRINCIPLES

U — UNBIASED ADVICE

R — RELATIONS OVER GENERATIONS

E — EMPLOYEE CENTRICITY

TRUST = AUM CAPITAL

New Delhi I Mumbai I Kolkata I Pune I Ranchi I Bangalore I Chennai I Ahmedabad

www.aumcap.com

Reach out to us
aumcares@aumcap.com

/ AumCap

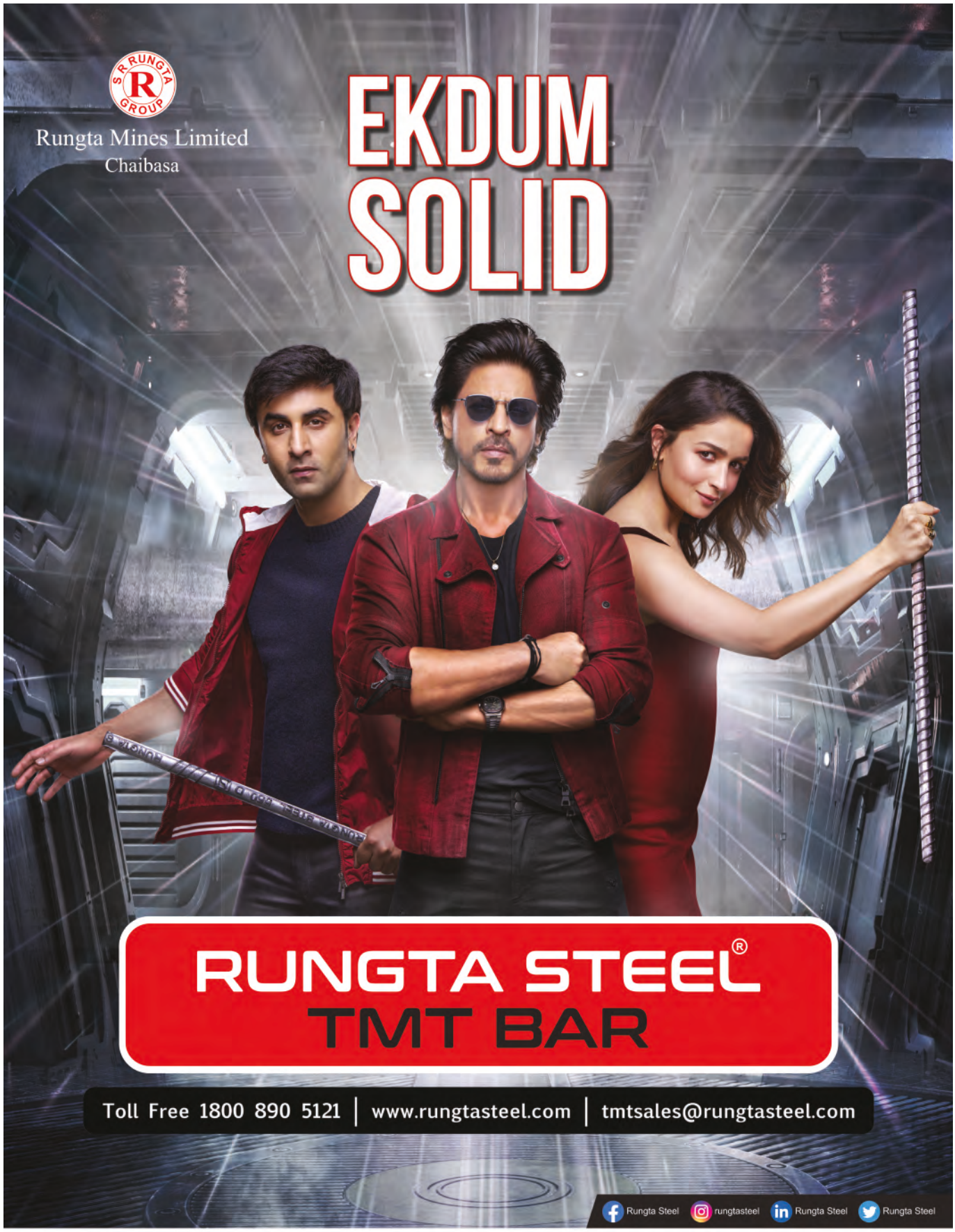

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

Match it BY Softline

www.softlinegirl.com
Follow us on

Every shade under the Sun.

scan here

LEGGINGS

Also available in:
Leggings | Palazzos | Pants

From the house of RUPA

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th May, 2024
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com